• जयपुर, मंगलवार 24 दिसंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 126 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"

● स्वामी विवेकानंद

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 उदयपुर में निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में भ्रष्टाचार से सम्बन्धित प्रकरण...

पेज @4 असमनी का राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में आयोजित किया जाएगा...

पेज @8 19 से 22 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा आगामी संस्करण...

प्रधानमंत्री बोले, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया

डेढ़ साल में 10 लाख युवाओं को दी गयीं पक्की सरकारी नौकरियां

नयी दिल्ली । एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले में 71 हजार से अधिक युवाओं को वर्चुअली नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक-डेढ़ साल में लगभग 10 लाख युवाओं को पक्की सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। प्रधानमंत्री आज नवनियुक्त अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को उनकी जयंती पर नमन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि हमें इसी साल चौधरी साहब को भारत रत्न से सम्मानित करने का अवसर मिला। आज के दिन को हम किसान दिवस के रूप में मनाते हैं।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लिए युवा प्रतिभा को और निखारने की जरूरत बताते हुए कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। देश में सही मायने में विकास सुनिश्चित करने के लिए हमें युवा प्रतिभा को और निखारना होगा। यह जिम्मेदारी वास्तव में शिक्षा व्यवस्था पर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए देश अब उस दिशा में आगे बढ़ चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवाओं के सामर्थ्य और प्रतिभा का भरपूर उपयोग सरकार की प्राथमिकता है। रोजगार मेलों के जरिए लगातार इस दिशा में काम किया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों से सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में सरकारी नौकरी देने का अभियान चल रहा है। आज भी 71 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। बीते एक डेढ़ साल में करीब 10 लाख युवाओं को हमारी सरकार ने पक्की सरकारी नौकरी दी है और ये अपने आप में बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। पहले की किसी भी सरकार के समय इस तरह मिशन मोड में युवाओं को भारत सरकार में पक्की नौकरी नहीं मिली है लेकिन आज देश में न केवल लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं बल्कि ये नौकरियां पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार मेले में 71 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह कल देर रात ही कुवैत से लौटे है और वहां उनकी भारत के युवाओं और प्रोफेशनल्स से काफी बातें हुई। अब यहां आने के बाद पहला कार्यक्रम देश के नौजवानों के साथ हो रहा है। उन्होंने इसे एक सुखद संयोग बताया। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले युवाओं को सशक्त बना रहे हैं और उनकी क्षमता को उजागर कर रहे हैं। आज देश के हजारों युवाओं के लिए जीवन की एक नयी शुरुआत हो रही है। आपका वर्षों का सपना पूरा हुआ है, वर्षों की मेहनत सफल हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का गुजरता साल आपको और आपके परिवार को नयी खुशियां देता हुआ जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले दशक की नीतियों को देखें। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत अभियान, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, हर योजना युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई है। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी नीतियों में बदलाव किया। भारत ने अपने रक्षा क्षेत्र में मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया और इसका सबसे ज्यादा लाभ युवाओं को हुआ। आज भारत का युवा नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। आज जब कोई युवा अपना स्टार्टअप शुरू करने का फैसला करता है, तो उसे समर्थन देने के लिए पूरा इकोसिस्टम मिल जाता है। आज जब कोई युवा खेलों में अपना करियर बनाने की योजना बनाता है, तो उसे विश्वास होता है कि वह असफल नहीं होगा। आज खेलों में प्रशिक्षण से लेकर टूर्नामेंट तक हर कदम पर युवाओं के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आज हम कितने ही क्षेत्रों में आमूलचूल परिवर्तन देख रहे हैं।

महाराष्ट्र के पुणे में भीषण हादसा

डंपर ने फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचला

पुणे/एजेंसी।

महाराष्ट्र के पुणे में भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां तेज रफ्तार डंपर ने फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचला दिया। इस हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है।

यह घटना पुणे के वाघोली के केसनंद फाटा में रविवार को देर रात 12.30 बजे के आसपास हुई। हादसे में घायल सभी लोग मजदूर बताए जा रहे हैं। ये लोग रविवार रात को ही काम के सिलसिले में अमरावती से पुणे आए थे। यह घटना वाघोली के केसनंद नाके पर पुलिस स्टेशन के सामने हुई। हादसे के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए ससून अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के वक्त फुटपाथ पर कुल 12 लोग सो रहे थे और कई अन्य लोग फुटपाथ के किनारे एक झोपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान भारी भरकम डंपर फुटपाथ पर चढ़ गया और वहां सो रहे लोगों को कुचलते हुए निकल गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग पीड़ितों को बचाने के लिए दौड़े। इसी बीच पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने डंपर के ड्राइवर को हिरासत में लिया है। मोटर व्हीकल्स एक्ट (एमवीए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत ड्राइवर पर केस दर्ज किया गया है।

बात दें, इससे पहले भी इसी महीने में महाराष्ट्र के पुणे में हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

न्यूज़ अपडेट

दौसा में सड़क हादसा : बोलेरो कार पलटी, 2 की मौत, 2 गंभीर घायल

दौसा/एजेंसी। नेशनल हाईवे नंबर 21 जयपुर आगरा रोड पर सिकंदरा के समीप रविवार देर रात एक बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बोलेरो कार सवार 2 लोगों की मौत हो गई और 2 गंभीर घायल हो गए।सिकंदरा-गिरधरपुरा पत्थर मंडी के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ। सूचना मिलने पर सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार में फंसे लोगों को बड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। घायलों को गंभीर हालत में एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि गिरधपुरा पत्थर मंडी के पास देर रात एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंचे तो करौली नंबर की एक कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली। जिसमें सवार दो लोग बुरी तरह फंसे हुए थे, जिन्हें मुश्किल से बाहर निकालकर कार सवार चार लोगों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों का इलाज चल रहा है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हुई।

यूपी : पीलीभीत में तीन आतंकियों का एनकाउंटर , पंजाब के गुरुदासपुर में पुलिस चौकी पर फेंके थे ग्रेनेड बम

पीलीभीत/एजेंसी। पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर बम फेंकने वाले आरोपियों के खिलाफ यूपी पुलिस और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुठभेड़ की खबर सामने आई है। पुलिस मुठभेड़ में हुई इस फायरिंग से तीनों अपराधी ढेर हो गए हैं।

यह मुठभेड़ उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के पूरनपुर में हुई है। पुलिस मुठभेड़ में हुई फायरिंग से तीनों अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनको उपचार के लिए सीएचसी पूरनपुर रवाना किया गया है, जहां उनकी मौत की खबर सामने आई। यह मुठभेड़ उस वक्त हुई जब पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की थी। घायल अपराधियों के पास से पुलिस ने 2 राइफल, 2 ग्लॉक पिस्टल के साथ ही भारी मात्रा में कारतूस बरामद किया है।

पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पाकिस्तान प्रायोजित खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। यूपी पुलिस और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में मॉड्यूल के तीन सदस्यों के साथ मुठभेड़ हुई है, जिन्होंने पुलिस पार्टी पर गोलीबारी की थी। यह आतंकी मॉड्यूल पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस प्रतिष्ठानों पर ग्रेनेड हमलों में शामिल है।

उन्होंने आगे लिखा, यह मुठभेड़ पीलीभीत के थाना पूरनपुर के अधिकार क्षेत्र में पीलीभीत और पंजाब की संयुक्त पुलिस टीमों के बीच हुई है और मॉड्यूल के तीन सदस्य गुरदासपुर में एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले में शामिल हैं। घायल व्यक्तियों को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी पूरनपुर ले जाया गया है। पूरे आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करने के लिए जांच जारी है।

महाकुंभ में पहुंचे साइकिल वाले बाबा, भारत और सनातम धर्म की जय-जयकार का लिया संकल्प

प्रयागराज/एजेंसी।

आस्था की संगम नगरी प्रयागराज में लगने वाले 2025 महाकुंभ की शुरुआत होने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। देश-दुनिया से श्रद्धालुओं और साधु-संतों के पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। उन्हीं में से एक संत आपको कुंभ क्षेत्र में साइकिल चलाते हुए जाएंगे।

आस्था नगरी प्रयागराज के महाकुंभ में तमाम साधु-संत श्रद्धालु और महात्मा हजारों किलोमीटर का सफर तय कर धर्म की नगरी में आस्था डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन एक ऐसे भी बाबा हैं जो साइकिल की सवारी करते हुए संगम की रेती पर धूनी रमाने के लिए आए हुए हैं। उन्होंने अपनी साइकिल को आश्रम का रूप दे दिया है। साइकिल को हाईटेक नहीं बल्कि जुगाड़ टेक्नोलॉजी से इस तरह तैयार किया है कि वह हाईवे पर भी फर्राटा भर सके। महाकुंभ में लोग इन्हें साइकिल वाले बाबा के नाम से पुकारते हैं।

खुद को भगवान भोलेनाथ का परम भक्त बताने वाले बाबा का नाम पंडित संपत दास रामानुज ब्रह्मचारी हैं जो बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले हैं। संपत दास रामानुज ब्रह्मचारी हैं। यह बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले हैं। बाबा के साइकिल से तीर्थ स्थलों के भ्रमण करने की कहानी भी बेहद अनूठी है। उनके मुताबिक उनके गुरु भगवान महादेव ने उन्हें साइकिल से देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों का भ्रमण करने का संकेत दिया। इसके बाद वह औरंगाबाद जिले से साइकिल पर सवार होकर सबसे पहले महाकालेश्वर का दर्शन करने के लिए उज्जैन गए। इसके बाद साइकिल से ही कई दूसरे तीर्थ स्थलों पर माथा टेकने के बाद वह अब प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे हैं।

पंडित संपत दास रामानुज ब्रह्मचारी ने अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए आईएएनएस को बताया, मैं इस साइकिल से कई तीर्थस्थलों की भ्रमण कर चुका हूं। सबसे पहले हम झारखंड में कौलेश्वरी पहाड़ गए और फिर गुप्ताधाम गए। वहां से लौटकर वापस अपने औरंगाबाद गए। औरंगाबाद में महाकाल मंदिर गए जो मेरे गुरु का स्थान है। इसके बाद हम मैहर भी जा चुके हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए पंडित संपत

सुरक्षा एजेंसियों ने उग्रवाद-आतंकवाद से लड़कर वर्चस्व स्थापित किया : शाह

नयी दिल्ली । एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने देश में उग्रवाद और आतंकवाद जैसे कई प्रकार के खतरों से निर्णायक लड़ाई लड़कर वर्चस्व स्थापित किया है। शाह ने सोमवार को यहां 37वें गुप्तचर ब्यूरो शताब्दी व्याख्यान में कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले 5 साल में देश में कई प्रकार के खतरों से निर्णायक लड़ाई लड़कर वर्चस्व स्थापित किया है। पांच साल पहले तक देश के सामने दशकों से चले आ रहे तीन नासूर-पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद और कश्मीर देश की शांति, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और भविष्य को चुनौती दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सख्त नीतियों और कठोर निर्णयों के कारण आने वाली पीढ़ी को इन तीनों खतरों की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि हमने इन खतरों पर लगभग निर्णायक विजय प्राप्त कर ली है। उन्होंने कहा कि कहा कि इन तीनों क्षेत्रों में हिंसक घटनाओं में 70 प्रतिशत और इनके कारण होने वाली मौतों में लगभग 86 प्रतिशत की

गुप्तचर ब्यूरो की तत्परता, तीक्ष्णता और परिणाम लाने की क्षमता में काफी सुधार

कमी दर्ज हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सूचना ब्यूरो की कार्यपद्धति, सतर्कता, सक्रियता, निर्णायक भूमिका निभाना और यश लेने के समय किसी और को आगे करने की त्याग और समर्पण की एक परंपरा ने देश को सुरक्षित रखा हुआ है। पिछले 10 साल में गुप्तचर ब्यूरो की तत्परता, तीक्ष्णता और परिणाम लाने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। ब्यूरो ने अपनी निष्ठा, साहस, त्याग और समर्पण की परंपरा को न केवल बरकरार रखा है बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चुनौतियों के सामने कठिन परिस्थितियों में विगत 5 साल में ब्यूरो ने देश को सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि किसी भी इंटेलिजेंस एजेंसी का इकोसिस्टम देश की सुरक्षा के आधार के साथ-साथ देश के भविष्य और विकास की मूल जरूरत भी होता है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक सशक्त इंटेलिजेंस इकोसिस्टम के बिना आगे नहीं बढ़ सकता क्योंकि इसके बिना देश की संप्रभुता और आर्थिक विकास संभव नहीं है। शाह ने कहा कि मौजूदा स्थिति में इंटेलिजेंस इकोसिस्टम के प्रभाव को चार डायमेंशन में विभाजित किया जा सकता है- समाज, संप्रभुता, सुरक्षा और सजगता। उन्होंने कहा कि इन सबके बीच में संपर्क और तालमेल के बिना आज हम पूरे देश को सुरक्षित नहीं रख सकते। एक सुरक्षित समाज ही आर्थिक और सामाजिक विकास की नींव रखने में सक्षम होता है। इंटेलिजेंस इकोसिस्टम द्वारा समय पर खतरों की पहचान कर उन्हें समाप्त करना ही समाज में विश्वास और स्थिरता बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि अगर हमें नक्सलवाद, आतंकवाद, संगठित अपराध, विभाजनकारी ताकतों, सांप्रदायिकता, नारकोटिक्स और असामाजिक तत्वों को पूरी तरह नियंत्रण में रखना है तो हमारे लिए समाज की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज के जमाने में संप्रभुता के दायरे सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। अगर हम इनोवेशन, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संसाधनों, शोध और अनुसंधान की प्रक्रिया को संप्रभुता की व्याख्या में शामिल नहीं करते हैं, तो हम देश को सुरक्षित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों की सुरक्षा में अगर थोड़ी सी भी चूक होती है।

नव वर्ष के आगमन को लेकर तैयारी

पिकनिक स्पॉट, पर्यटन स्थल और मंदिरों में रहेंगे सुरक्षा के कड़े इंतजाम

रांची । एजेंसी

राजधानी रांची में नए वर्ष के मद्देनजर पिकनिक स्पॉट, पर्यटन स्थल और मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर लगभग दो हजार जवानों की तैनाती की गई है। साथ ही साथ क्रिसमस गैदरिंग को लेकर रांची पुलिस के जरिये सुरक्षा के पुख्ता और कड़े इंतजाम किए गए हैं। पर्यटन स्थलों पर पर्यटन मित्रों की भी सहायता ली जा रही है। खासकर होटलों और रेस्टोरेंट जहां पर न्यू ईयर की लेट नाईट पार्टी आयोजित होगी, वहां भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही अतिरिक्त फोर्स थाने को भी मुहैया कराया गया है। भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया। नव वर्ष के आगमन को लेकर राजधानी और

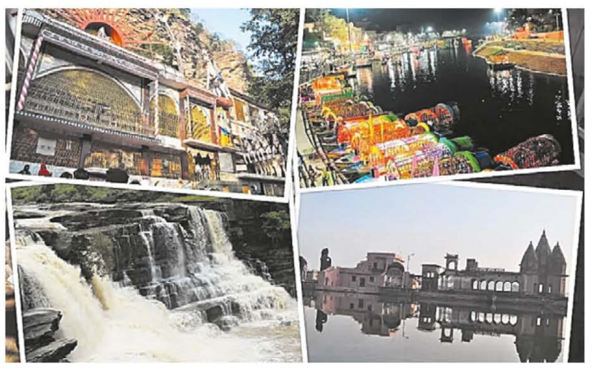

उसके आसपास के पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ने का सिलसिला शुरू हो गया। सैलानियों की यह भीड़ नए साल के आगमन पर और बढ़ेगी। ऐसे में सैलानियों की सुरक्षा और हुड़दंगियों पर नकेल कसने के लिए रांची पुलिस के तरफ से बड़ी तैयारी की गई है।

रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सोमवार को बताया कि सुरक्षा को लेकर रांची पुलिस ने पुख्ता और कड़े इंतजाम किए हैं। पूरे जिले में पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। महिलाओं के साथ होने वाली छेड़खानी की घटनाओं को लेकर रोकने के लिए राजधानी में 50 शक्ति कमांडों की तैनात की गई है। 25 दिसंबर से लेकर 15 जनवरी तक शक्ति कमांडों शहर में स्थित सभी पार्कों पर नजर रखेंगी।

एसएसपी ने बताया कि रांची के आस-पास स्थित दशम और जोन्हा फॉल जैसे सभी पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस सहायता केंद्र खोले जा रहे हैं। पर्यटन मित्रों के साथ भी इसमें मिलेगा। वहीं पुलिस के जरिये नशे में वाहन चलाने वालों की जांच करने के लिए कुछ स्थान को चिह्नित किया गया है, जहां पर रात में चेकिंग की जाएगी। नशे में वाहन चलाते पकड़े जाने पर पुलिस उनसे सख्ती से निबटेगी और कार्रवाई करेगी।

एसएसपी ने कहा कि पिकनिक स्पॉट की सुरक्षा में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिले के थानेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। आम लोगों से भी सावधानी और सतर्कता बरतने की अपील की गई है। जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर एक सूचना बोर्ड और फ्लेक्स लगाकर सावधानी बरतने की अपील की गई है, उसमें स्थानीय थाना प्रभारी और डीएसपी का नंबर भी अंकित किया गया है, साथ ही इमरजेंसी की स्थिति में डायल 100 और 112 पर सूचना देने की अपील भी की गई है। एसएसपी ने बताया कि वैसे फॉल और झरने जहां डूबने का खतरा बना रहता है, उन जगहों पर एनडीआरएफ टीम और गोताखोरों को अलर्ट पर रखा गया है। लोगों से अपील की गयी है कि खतरनाक स्थानों पर जाकर सेल्फी ना लें, डूबने वाले इलाके में स्नान के लिए न उतरे।

उल्लेखनीय है कि नये वर्ष को लेकर रांची जिला प्रशासन की ओर से पिकनिक स्पॉट वाले स्थानों को चिह्नित किया गया है। जिले के विभिन्न स्थलों पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। राजधानी रांची और उसके आसपास के प्रमुख पिकनिक स्पॉट में रॉक गार्डन, कांके डैम, सिदो-कान्हू पार्क, मछली घर, नक्षत्र वन, हटिया डैम, हुंडरु फॉल, दशम फॉल, दिउड़ी मंदिर, सूर्य मंदिर, जोन्हा फॉल, गेतलसूद डैम, सीता फॉल, गौतम धारा, रुक्का डैम, ऑक्सीजन पार्क, बिरसा मुंडा पार्क, स्वर्ण रेखा, मगरमच्छ प्रजनन केंद्र, जैविक उद्यान, फन कैशल पार्क, डोरंडा स्थित श्रीकृष्णा पार्क, पहाड़ी मंदिर, टैगोर हिल, धुर्वा डैम और पिठोरिया घाटी शामिल हैं।

नो डिटेंसन पॉलिसी खत्म

अब 5वीं और 8वीं कक्षा में फेल होने पर अगली क्लास में नहीं जा सकेंगे विद्यार्थी

नयी दिल्ली । एजेंसी

केंद्र सरकार ने बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमों में संशोधन करते हुए 'नो डिटेंशन पॉलिसी' को खत्म कर दिया है। इससे अब राज्यों को पांचवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को परीक्षा में फेल होने पर भी अगली कक्षा में भेजने की बाध्यता से मुक्ति मिल गई है। संशोधित नियम के तहत 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा में असफल हो जाने वाले विद्यार्थियों को दो महीने में दोबारा परीक्षा देनी होगी। यदि वे दोबारा भी सफल नहीं होते हैं तो उनको अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने सोमवार को कहा कि मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि पांचवीं और आठवीं कक्षा में सभी प्रयास करने के बाद यदि रोकने की आवश्यकता पड़े तो रोका जाए। इसमें यह भी प्रावधान किया गया है कि आठवीं कक्षा तक किसी भी बच्चे को स्कूल से निष्कासित नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत हम यह भी चाहते हैं कि बच्चों का लर्निंग आउट कम बेहतर हो। इसको प्रयास में लाने के लिए पढ़ाई में कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान भी दिया जा सकेगा। नियमों में किये गये बदलावों से यह संभव हो सकेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार, निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (2009 का 35) की धारा 38 की उपधारा (2) के खंड (च क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम बनाती है।

अटल बिहारी वाजपेयी एक अजातशत्रु

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सही मायने में अजातशत्रु थे। उनसे जो कोई एक बार मिल लेता, उसे वे अपना बना लेते थे। आज अगर वे जीवित होते तो सौ साल के होते। 25 दिसंबर,1924 को ग्वालियर में जन्मे वाजपेयी जी ने 16 अगस्त,2018 को दिल्ली में अपनी अंतिम सांस ली। 93 साल के जीवन में वे 65 साल पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय रहे। उन्होंने अलग तरह की राजनीति की। दिल्ली ही नहीं देश के अनेक हिस्सों में सैकड़ों लोग ऐसे मिल जाएंगे जो अटल जी से जुड़े किस्से सुनाने लगेंगे। अपने निधन से सालों पहले वे बीमार होने के चलते राजनीति से दूर हो गए थे, बावजूद इसके उनके सरकारी आवास पर उनसे मिलने वालों का तांता लगा रहता था।

यह जानकर लोगों को ताजुब्ब होगा कि प्रधानमंत्री रहते हुए उनसे जो नेता सबसे ज्यादा मिलने जाते थे, उनमें एक नाम उनके भारी राजनीतिक विरोधी भाकपा महासचिव इन्द्रजीत गुप्त का था। उनके मित्रों की सूची में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला का नाम प्रमुख था। देश में कांग्रेस की सरकार थी और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए विपक्ष के नेता रहे अटल जी की अगुवाई में तब के विदेशमंत्री संयुक्त राष्ट्र गए थे। उन्हें देखकर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के पसीने छूट गए थे। 1999 के लोकसभा चुनाव में अटल जी लखनऊ और गुजरात के गांधीनगर से चुनाव लड़ रहे थे। लखनऊ में उनके सामने समाजवादी पार्टी ने फिल्म अभिनेता राज बब्बर को चुनाव लड़वाया। एक व्यवसायी जो एक मीडिया घराना भी चलाते थे, अटल जी को हराने के लिए हर प्रयास कर रहे थे। चुनाव में अटल जी की भारी जीत हुई। वे प्रधानमंत्री बने। कोई और होता तो उस व्यवसायी को परेशान करता। प्रधानमंत्री बनने के बाद अटल जी ने उनको समय देकर उनसे मुलाकात की। उसी मीडिया संस्थान के एक पत्रकार उनके साथ गांधीनगर गए हुए थे। गुजरात के तब के मुख्यमंत्री सुरेश मेहता ने अटल जी को खुश करने के लिए उस व्यवसायी के खिलाफ खिलाफ मुकदमा कायम करवाया था। अटल जी की चिंता उनके साथ गए उस मीडिया घराने के पत्रकार के नौकरी की थी। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी साथ गए दूसरे वरिष्ठ पत्रकार को दी। दिल्ली के अपने मित्र कांग्रेस नेता जग प्रवेश चन्द्र के अनुरोध पर उन्होंने एक विधायक की सदस्यता बचाई। अपनी विचारधारा के प्रति वे समर्पित थे। 1996 में उनकी सरकार केवल 13 दिन में चली गई। 27 मई,1996 को संसद में उन्होंने कहा कि सरकार बचाने के लिए वे विचारधारा से समझौता नहीं कर सकते। 1998 में वापस उनकी सरकार बनी जो 13 महीने चली और 1999 में बनी सरकार ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया।

उन्होंने 24 दलों के साथ मिलकर ऐतिहासिक सरकार चलाई और रिकार्ड काम किए। देश को चारों दिशाओं से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क परियोजना बनी। 1998 में पोखरण में पांच परमाणु परीक्षण किए गए। उससे खफा पाकिस्तान में कारगिल में हमला किया तो उसका मुंहतोड़ जबाब दिया गया। बावजूद इसके उन्होंने पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने की हर संभव प्रयास किया। दिल्ली से खुद प्रमुख नागरिकों के साथ बस से लाहौर की यात्रा की। उनकी कोशिश नवाज शरीफ का तख्तापलट होने और जनरल परवेज मुशर्रफ के अड़ियल रवैये से सफल नहीं हो पाई। पहले गैर कांग्रेसी नेता के रूप में उन्होंने बतौर प्रधानमंत्री छह साल का कार्यकाल पूरा किया। वे कहा करते थे कि भारत को लेकर मेरी एक दृष्टि है–ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अटल जी की सोच को उन्नत तरीके से बढ़ाने में लगे हुए हैं। अटल जी को देश के अनेक हिस्सों में सम्मानित किया जाता रहा। 1992 में उन्हें पद्म विभूषण और 2015 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। अटल जी न केवल लोकप्रिय नेता थे बल्कि कवि, लेखक पत्रकार भी थे। उन्होंने अपना सार्वजनिक जीवन पत्रकार के नाते शुरू किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ कर राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य और वीर अर्जुन में पत्रकारिता की। 1951 से ही जनसंघ के स्थापना काल से जुड़े। संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहायक बने। फिर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सहयोगी बने। 1968 से 1973 तक जनसंघ के अध्यक्ष रहे। 1974 में जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ। 1980 में भारतीय जनता पार्टी बनी तो उसके अध्यक्ष बने। वे पहली बार 1957 में उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से सांसद बने। 10 बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वे उत्तर प्रदेश के अलावा गुजरात, मध्य प्रदेश और दिल्ली से लोक सभा के सांसद रहे।

देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उनसे प्रभावित होकर कहा था कि एक दिन वे देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उनके भाषण को सुनने के लिए देश के हर कोने में लोग देररात तक मीलों यात्रा करके आते थे। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान ने संसद में अटल जी के भाषणों का किस्से सुनाए थे। अटल जी को राजनीति की जमीनी समझ भी गजब की थी। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी को चुनाव के लिए तैयार करवाने वालों में अटल जी प्रमुख थे। उन्होंने जय प्रकाश नारायण और संघ नेताओं को विश्वास में लेकर ओम मेहता से इंदिरा गांधी पर चुनाव करवाने के लिए दबाव डलवाया। उन्हें पता था कि वे हारेंगी लेकिन उनके समर्थकों ने उन्हें बेहद लोकप्रिय बताकर चुनाव करवाने के लिए उन्हें तैयार किया। इसके चलते देश की राजनीति बदली। जनता पार्टी सरकार के विदेश मंत्री के नाते पहली बार अटल जी ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण दिया। वे कार्यकर्ताओं को खूब महत्व देते थे। हर रोज एक घंटा उनसे बिना पूर्व समय लिए कार्यकर्ता मिल सकते थे। किसी कार्यकर्ता के निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हर समय तत्पर रहते थे। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए विजय गोयल प्रधानमंत्री कार्यालय का मंत्री रहने के चलते उनके काफी करीबी रहे। वो कहते हैं कि अटल जी सही मायने में राष्ट्र पुरुष थे। लंबे समय तक सांसद, मंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद वे आजीवन फक्कड़ रहे। शुरुआती दिनों के उनके साथी और लोकप्रिय कवि, गीतकार गोपाल दास नीरज ने एक बार संस्मरण सुनाया था कि वे अटल जी के साथ आगरा किसी कवि सम्मेलन में गए। रेलगाड़ी लेट होने से वे सम्मेलन स्थल पर तब पहुंचे, जब आयोजन समाप्त हो चुका था। उन्होंने नीरज को तांगे का किराया देने को कहा तो उन्होंने पैसा होने से इनकार कर दिया। फिर वे आगरा में रहने वाली अपनी बहन के घर गए और उनसे मांगकर तांगे का किराया दिया। वे आजीवन अविवाहित रहे।

उन्होंने देश को अपना परिवार माना और खुद अपनी मुंहबोली बेटी के साथ जीवन का अंतिम समय बिताया। देश के विभिन्न हिस्सों और लाल किले पर दिए भाषणों के अंश आज भी अनेक लोग दुहराते मिल जाएंगे। उनकी कविताएं बेहद लोकप्रिय हैं। उन्हें देश और दुनिया में लंबे समय तक लोकतंत्र से जुड़े हर मामले में याद किया जाता रहेगा और उनका उदाहरण दिया जाता रहेगा।

उपभोक्ता के बढ़ते शोषण पर अंकुश जरूरी

ललित गर्ग

भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है और यह आजादी की शताब्दी वर्ष 2047 तक उच्च मध्य आय के दर्जे तक पहुंचने की आकांक्षा के साथ विश्व बाजार बनने के पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। देश यह भी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय बाजार एक ऐसी आदर्श बाजार व्यवस्था को स्थापित करें जिसमें उपभोक्ताओं की ठगी की बढ़ती घटनाएं पर पूर्णतः नियंत्रण हो। इसके लिये उपभोक्ता में उत्पादकता और गुणवत्ता संबंधित जागरूकता को बढ़ाने, जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, अधिक दाम, कम नाप-तौल, ठगी इत्यादि संकटों से उपभोक्ता को मुक्ति दिलाने एवं उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के बारे में लोगों को जानकारी देकर उपभोक्ता के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से भारत में 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में उपभोक्ता का मतलब ही ठगी का शिकार हो गया है। देश का प्रत्येक आदमी कहीं न कहीं अक्सर ठगा जा रहा है। आनलाइन बाजार व्यवस्था एवं ई-बाजारवाद में ठगी की घटनाएं एक बड़ी समस्या एवं चुनौती बन गयी है। सरकार ने उपभोक्ता के अधिकारों के संरक्षण के लिए कानून भी बनाया है। उन्हें जगाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। फिर भी उपभोक्ता सोये हैं, जबकि मुनाफे के लिए छल के नए-नए तरीके आजमाए जा रहे हैं, क्योंकि दो तिहाई से ज्यादा आबादी अपने ही अधिकारों के प्रति सतर्क नहीं है।

उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए इसी दिन 24 दिसंबर, 1986 को भारत सरकार ने ऐतिहासिक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986 लागू किया गया था। इस अधिनियम एवं बाद में किये गये संशोधनों का उद्देश्य उपभोक्ताओं का दोषपूर्ण वस्तुओं, लापरवाह सेवाओं एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं से संरक्षण करना है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के छह मौलिक अधिकार सुरक्षा का अधिकार, चुनने का अधिकार, सूचित किये जाने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, निवारण पाने का अधिकार एवं उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार हैं। यह दिन भारतीय ग्राहक आन्दोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। उपभोक्ता संरक्षण कानून से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य यह है की किसी भी शासकीय पक्ष ने इस विधेयक को तैयार नहीं किया बल्कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने प्रथमतः इस विधेयक का मसौदा तैयार किया। हम में से हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में उपभोक्ता है। कोई व्यक्ति जो अपने उपयोग के लिये सामान खरीदता है, वह उपभोक्ता है। उपभोक्ता क्योंकि संगठित नहीं हैं इसलिए हर जगह ठगा जाता है। इसलिए उपभोक्ता को जागना होगा और खुद को इन संकटों से बचाना होगा। बहुत कम उपभोक्ता जानते होंगे कि उनके क्या अधिकार हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है और इसके साथ ही अगर वह धोकाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली, ठगी आदि का शिकार होते हैं तो वह इसकी शिकायत कर सकें। इस कानून में जीवन एवं संपत्ति के लिए हानिकारक सामान और सेवाओं की बिक्री के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार दिया गया है, खरीदी गई वस्तु की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, स्तर और मूल्य, जैसा भी मामला हो, उसके बारे में जानकारी का अधिकार एवं इसके लिए आवाज उठाने का अधिकार है।

बढ़ते बाजारवाद एवं उदारीकरण के इस दौर में जैसे ही हम अपनी जरूरत की कोई चीज या सेवा लेते हैं, तभी उपभोक्ता का ठप्पा हमारे ऊपर लग जाता है। कायदे से किसी चीज या सेवा के एवज में चुकाई जाने वाली कीमत में किसी भी तरह की घोखाधड़ी एवं ठगी नहीं होना चाहिए, लेकिन अक्सर उपभोक्ता ठगे जाते हैं। खराब गुणवत्ता की चीजें और सेवा प्रदाता से अपने अधिकारों के हक की लड़ाई ही जागरूक उपभोक्ता की पहचान है। उपभोक्ता दिवस मनाते हुए हम केवल उपभोक्ता अधिकारों की ही बात नहीं करते बल्कि उपभोक्ता की उन्नत एवं सम्यक सोच को भी विकसित करते हैं। आर्थिक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करने के लिये उपभोक्ता जागृति जरूरी है। आज का उपभोक्तावादी दृष्टिकोण एक प्रकार का सम्मोहन बन गया है, हिस्टीरिया की बीमारी बन गया है। सम्मोहन करने वाला जैसा नचायेगा, उपभोक्ता वैसा ही नाचेगा, फिर उपभोक्ता संरक्षण कैसे संभव होगी? यह तभी संभव है जब हमारा उपभोग के प्रति सम्यक दृष्टिकोण होगा। नया उपभोक्तावाद एक प्रकार से नई हिंसा का उपक्रम है। हिंसा, प्रतिस्पर्धा, सत्ता की दौड़ एवं आर्थिक साम्राज्य को इससे नया क्रूर आकार मिला है। क्योंकि उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संग्रह, सुविधा, सुख, भोग-विलास एवं स्वार्थ से जोड़ दिया है। स्वार्थों के संघर्ष में अन्याय, शोषण एवं अनैतिकता होने लगी। आज की उपभोक्तावादी एवं सुविधावादी जीवन-धारा में जैसे-जैसे भोगवाद बढ़ता जारहा है, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, प्रकृति दोहन, आतंकवाद, युद्ध, संघर्ष की स्थितियों बढ़ती जा रही है। समाज, राष्ट्र एवं विश्व में व्याप्त प्रदर्शन, दिखावा एवं फिजुलखर्ची पर नियंत्रण जरूरी है। सरकार की ओर से उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है, उनके हितों का संरक्षण भी किया जा रहा है, इसी की निष्पत्ति है 'जागो ग्राहक जागो' जैसे अभियान। उपभोक्ता अधिकारों पर काम करने वाली एनजीओ कट्स (सीयूटीएस) इंटरनेशनल ने समय-समय पर सर्वे के माध्यम से पता लगाया है कि कितने उपभोक्ता ठगे जाते है और कितने उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सचेत है। उपभोक्ता मंत्रालय के व्यापक जागरूकता अभियान के बावजूद गलत उत्पाद बेचकर मुनाफा कमाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी ठगी के शिकार 90 प्रतिशत लोगों ने तो कभी शिकायत ही नहीं की है। चार से पांच प्रतिशत उपभोक्ता ही कंपनी या उत्पाद निर्माता के पास अपनी शिकायत दर्ज कराते हैं। हालांकि हाल के वर्षों में आनलाइन खरीद और साइबर क्राइम में वृद्धि के चलते लोगों में अपने आप जागरूकता बढ़ रही है। शहरी क्षेत्र के लोग कुछ ज्यादा जागरूक हुए हैं, जबकि गांवों के लोग अभी भी अनजान हैं। गांवों के लोग यह भी नहीं जानते कि खरीदारी से पहले आईएसआई, आईएसओ एवं एगमार्क जैसे गुणवत्ता प्रमाणन की छानबीन करनी चाहिए। इंटरनेशनल कंज्यूमर पालिसी एक्सपर्ट प्रो. बीजान मिश्रा का कहना है कि अगर किसी से प्रेरित होकर कोई व्यक्ति उचित फोरम में चला भी गया तो गारंटी नहीं कि उसे समाधान मिल ही जाए। शिकायत दर्ज कराने वाले केवल 18 से 20 प्रतिशत उपभोक्ताओं को ही संतोषजनक समाधान मिलता है। बाकी को या तो समाधान नहीं मिला या कार्रवाई से संतुष्टि नहीं मिली। हालांकि सुखद संकेत है कि कई मामलों में त्वरित समाधान मिलने से उपभोक्ता निवारण तंत्र पर भरोसा धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ई-प्लेटफार्म पर भरोसा नहीं होने पर भी खरीदारी बढ़ रही है। एक सर्वे में बात आई है कि शहरों में 56 प्रतिशत उपभोक्ता आनलाइन खरीद करने लगे हैं। हालांकि अलग बात है कि उन्हें आनलाइन खरीदे गए उत्पादों की गुणवत्ता पर भरोसा फिर भी नहीं होता। आज की बाजार शक्तियां उपभोक्ताओं का शोषण करती है। इन्हीं उपभोक्तावादी एवं बाजार शक्तियों के कारण जीवन में सुख का अभिप्राय केवल भोग और उपभोग को माना जाने लगा हैं। ऐसे में झूठी शानो-शौकत के दिखावे के चक्कर में उपभोक्ता अविवेकशील होकर अनावश्यक चीजों को भी थैले में भरकर घर ला रहा है। बाजार एवं उपभोक्तावादी संस्कृति के इस काले जादू के आगे उपभोक्ता बेबस एवं लाचार खड़ा हैं। जिसके कारण वस्तुओं की गुणवत्ता के स्तर में गिरावट आ रही हैं। कोई भी चीज मिलावटरहित मिलना अब संभव नहीं है। न चाहते हुए भी उपभोक्ता लूट का शिकार बन रहा है। इतना ही नहीं, उपभोक्तावादी संस्कृति ने भोगवादी जीवन जीने के लिए मनुष्य के समक्ष नए आयाम प्रस्तुत किए हैं तथा उसे सुविधाभोगी बना दिया है। भोग्य वस्तुओं का उपयोग ही जीवन का प्रमुख लक्ष्य बन गया है। भोगवाद के कारण सबसे बड़ी हानि यह हुई है कि भोगों के प्रति रुचि या रति का गहरा पोषण हुआ है वही उपभोक्ताओं के शोषण भी बढ़ता जारहा है। इसी शोषण से मुक्त दिलाना ही राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस की सार्थकता एवं उपयोगिता है।

विश्वभर में धार्मिक संघर्ष: क्या यह मानवता के विरुद्ध नहीं?

विनय कुमार तिवारी

विश्व के हर कोने में धर्म के नाम पर संघर्ष और वर्चस्व की लड़ाई देखने को मिलती है। कहीं हिंदू-मुसलमान के बीच हिंसा है, तो कहीं शिया-सुन्नी एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं। वहीं, कहीं ईसाई और मुसलमानों के बीच विवाद छिड़ा हुआ है। यह विडंबना है कि इन सभी धर्मों के अनुयायी यह जानते हैं कि मनुष्य चाहे किसी भी धर्म, जाति, या संप्रदाय से जुड़ा हो, वह एक ही माता-पिता की संतान है। फिर यह संघर्ष क्यों? यह प्रश्न केवल धार्मिक हिंसा में शामिल लोगों से नहीं, बल्कि समूची मानव सभ्यता से है। आज की दुनिया में धर्म का वास्तविक उद्देश्य, जो मानवता, प्रेम और सद्भावना को बढ़ावा देना है, वह कहीं खो सा गया है। धर्म को राजनीति, शक्ति और वर्चस्व के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो धर्म इंसान को सही राह दिखाने के लिए बने थे, वे अब संघर्ष और रक्तपात का कारण बन गए हैं। हिंदू-मुसलमान के बीच संघर्ष कोई नई बात नहीं है। भारत के विभाजन के समय से ही इन दोनों समुदायों के बीच नफरत की एक गहरी खाई बन गई थी। लेकिन, यह खाई केवल उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं है। विश्व स्तर पर भी यही हाल है। इसी प्रकार, इस्लाम के भीतर शिया और सुन्नी समुदायों के बीच का संघर्ष यह दिखाता है कि धर्म की यह लड़ाई केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक भी है।

विचार करने वाली बात यह है कि जब सभी धर्म यह मानते हैं कि पूरी मानवता एक है, तो फिर यह संघर्ष क्यों? क्या यह धर्म के नाम पर वर्चस्व की लड़ाई नहीं है? वास्तव में, यह धर्म से अधिक सत्ता और ताकत की लड़ाई है। धर्म का इस्तेमाल केवल एक माध्यम के रूप में किया जा रहा है। जहां तक हिंदुओं की बात है, वे दुनिया के कई हिस्सों में अल्पसंख्यक हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मलेशिया, और कई अन्य देशों में हिंदुओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। इन स्थानों पर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार केवल धार्मिक असहिष्णुता का परिणाम नहीं हैं, बल्कि यह अमानवीयता और नैतिक पतन का प्रतीक हैं। हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, उनकी महिलाओं का शोषण हो रहा है, और मंदिरों को ध्वस्त किया जा रहा है। यह अत्याचार उस मानसिकता को दर्शाता है जो वर्चस्व स्थापित करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। जो समाज कमजोर को कुचलने में अपना पराक्रम समझता है, वह दरअसल अपने नैतिक पतन का परिचय दे रहा है। जहां हिंदू नगण्य संख्या में हैं, वहां उनके साथ हो रहा यह व्यवहार मानवता के खिलाफ है। लेकिन, सवाल केवल हिंदुओं पर अत्याचार का नहीं है। पूरी दुनिया में धर्म के नाम पर हिंसा हो रही है। ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। बौद्ध और रोहिंग्या मुसलमानों के बीच संघर्ष भी इसका एक और उदाहरण है। यहां तक कि विकसित देशों में भी धार्मिक भेदभाव के कई मामले सामने आते रहते हैं।

भारत एक ऐसा देश है, जो सदियों से धार्मिक सहिष्णुता और भाईचारे का उदाहरण प्रस्तुत करता आया है। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। भारत का यह सामाजिक ताना-बाना न केवल उसकी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। भारत का मॉडल यह दिखाता है कि जब विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के साथ सम्मान और समानता से रहते हैं, तो समाज न केवल स्थिरता प्राप्त करता है, बल्कि विकास के पथ पर भी अग्रसर होता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि जहां धर्म के नाम पर लड़ाई नहीं हो रही, वे देश विकास की दौड़ में सबसे आगे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, जर्मनी और स्कैंडिनेवियाई देशों जैसे विकसित देशों में सामाजिक समरसता और कानून का पालन उनकी प्रगति का मूल कारण है। इन देशों ने यह समझ लिया है कि धार्मिक या जातिगत संघर्ष केवल समाज को कमजोर करता है और विकास में बाधा उत्पन्न करता है। यह समझने की जरूरत है कि धर्म का असली उद्देश्य मानवता को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। हर धर्म के मूल संदेश को देखें, तो पाएंगे कि सभी धर्मों ने सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा का प्रचार किया है। फिर यह घृणा और हिंसा कहां से आई? यह मानव स्वभाव में निहित वर्चस्व की भूख है, जिसने धर्म को भी अपने अधीन कर लिया है। आज दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि यह संघर्ष न केवल धर्मों को कमजोर कर रहा है, बल्कि पूरी मानवता को खतरे में डाल रहा है। यदि इस लड़ाई को नहीं रोका गया, तो इसका परिणाम विनाशकारी हो सकता है। धर्म के नाम पर हो रही इस हिंसा को रोकने के लिए शिक्षा और जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि धर्म का मतलब मानवता से प्रेम करना है। हमें यह समझना होगा कि हर इंसान की पहचान उसका धर्म नहीं, बल्कि उसकी इंसानियत है।

विश्व के नेताओं और संगठनों को भी इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी देश में किसी भी धर्म के अनुयायियों के साथ भेदभाव या अत्याचार न हो। आइए, हम सभी मिलकर विश्व स्तर पर बंधुता का चिंतन करें। हम सबको यह प्रतिज्ञा लेनी होगी कि धर्म, जाति या संप्रदाय के आधार पर किसी भी प्रकार की नफरत को बढ़ावा नहीं देंगे। यह समय है कि हम एक समरस समाज का निर्माण करें, जहां सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर एक-दूसरे का सम्मान करें। यह वक्त है कि हम धर्म के नाम पर चल रही इस लड़ाई को समाप्त करें। हमें यह समझना होगा कि कोई भी धर्म हिंसा और नफरत की शिक्षा नहीं देता। यही मानवता की जीत होगी, यही एक नए युग की शुरुआत होगी।

ग्राहक सशक्तीकरण ही 'ग्राहक संप्रभुता' का मार्ग

दिनकर जी सबनीस

भारतीय चिंतन के दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था के केंद्र बिंदु 'ग्राहक संप्रभुता' पर विचार करने से पहले 'ग्राहक' शब्द का अर्थ समझना आवश्यक है। क्योंकि वैश्विक ग्राहक आंदोलन 'ग्राहक' को बाजार में की जाने वाली खरीद-बिक्री की गतिविधियों तक ही सीमित रखता है। जबकि 'ग्राहक' शब्द अंग्रेजी में 'उपभोक्ता' या 'कस्टमर' का पर्याय नहीं है। इसे हिंदी शब्द 'उपभोक्ता' का पर्याय भी नहीं माना जा सकता। 'उपभोक्ता' शब्द उपभोग की अवधारणा से लिया गया है, जबकि 'ग्राहक' शब्द प्राप्त करने या स्वीकार करने की क्रिया से उत्पन्न हुआ है। दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। उपभोग असीमित है और आवश्यकता के बजाय क्षमता को संतुष्ट करता है, जबकि प्राप्ति आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित है। आवश्यकता पूरी होने पर संतुष्टि प्राप्त होती है। 'ग्राहक' शब्द सुनकर वास्तव में विचार यह होना चाहिए कि ग्राहक ही अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। ग्राहक केवल वस्तुओं और सेवाओं के खरीदार नहीं हैं। ग्राहक आर्थिक ढांचे का केंद्रीय तत्व हैं। ग्राहक की मांग ही उत्पादन प्रक्रिया की शुरुआत करती है, और यही मांग अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखती है। ग्राहक की प्राथमिकताएं और शक्ति अर्थव्यवस्था को दिशा देती हैं। अगर ग्राहक उत्पादों या सेवाओं के प्रति उत्साह नहीं दिखाते हैं तो उद्योग और व्यवसाय मंदी का अनुभव कर सकते हैं, जिससे अंततः उत्पादन में कमी और अर्थव्यवस्था में संभावित ठहराव आ सकता है। इसका मतलब है कि आर्थिक समृद्धि के लिए ग्राहक का आत्मविश्वास और क्रय शक्ति आवश्यक है।

आर्थिक परिदृश्य में विभिन्न बाजार विकल्पों की उपलब्धता बढ़ रही है, परन्तु ग्राहक को प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। उनकी जरूरतें और प्राथमिकताएं अद्वितीय हैं। इसलिए, सरकार और विभिन्न व्यवसाय अपने ग्राहक अनुभव और संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतियां तैयार करते हैं। इस संदर्भ में ग्राहक की संप्रभुता का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है। ग्राहकों के पास अब ज्ञान और विकल्प दोनों हैं और वे इनका उपयोग संतोषजनक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए करते हैं। उनके लिए अपने अधिकारों और विकल्पों के बारे में जागरूक होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे न केवल उनकी संप्रभुता मजबूत होती है, बल्कि अर्थव्यवस्था भी सशक्त होती है। अंततः हम कह सकते है, 'ग्राहक' अर्थव्यवस्था के विकास और सुधार के लिए जरूरी कुंजी हैं। उनकी संतुष्टि और भरोसा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। किसी भी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ग्राहक की सक्रिय भागीदारी एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन, वर्तमान में वैश्विक आर्थिक गतिविधियां ग्राहक की अनदेखी करते हुए संचालित की जा रही हैं। पारदर्शिता का पूर्ण अभाव है। यही कारण है कि दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्था इस समय संकट में हैं। सरकार, उत्पादक, कॉरपोरेट और व्यापारी 'ग्राहकों' को अंधेरे में रखकर न केवल उनका शोषण कर रहे हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था के पोषक तत्वों को भी नष्ट कर रहे हैं। वे भूल जाते हैं कि जैसे ही ग्राहक का बाजार से भरोसा डगमगाता है, वैसे ही मंदी की काली छाया बाजार को अपनी चपेट में लेने लगती है। ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था के सभी घटक प्रभावित होने लगते हैं और वे ग्राहकों को बाजार की ओर आकर्षित करने के लिए अप्राकृतिक तरीकों का सहारा लेते हैं। पश्चिमी दुनिया में ग्राहकों की प्रकृति, व्यवहार और विशेषताओं के कारण बाजार मंदी से उबर जाते हैं, लेकिन इसकी कीमत ग्राहकों को चुकानी पड़ती है, जो लगातार कर्ज के बोझ तले दबते जाते हैं। इसके विपरीत हमारे देश में ग्राहक, भारतीय ग्राहक आंदोलनों और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से प्रभावित होकर अपनी आवश्यकताओं को सीमित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सरकार विभिन्न वित्तीय संस्थानों के माध्यमों से ग्राहकों को अपनी जरूरत बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आसान पूंजी और ऋण उपलब्ध कराने के बाद भी स्थानीय ग्राहक अपनी जरूरतें बढ़ाने में बहुत कम रुचि दिखाते हैं, क्योंकि वे अपने कर्ज का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। भारतीय बाजार में ग्राहक मांग बढ़ाने के कृत्रिम तरीकों से दूर रहते हैं। हालांकि, यह स्पष्ट है कि बाजार की समृद्धि पूरी तरह से ग्राहक के व्यवहार और आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। इसके बावजूद वर्तमान में सरकार, उत्पादक और व्यापारी ग्राहक की अनदेखी कर रहे हैं। हालांकि, ग्राहक आंदोलनों के प्रचार-प्रसार और ग्राहक कार्यकर्ताओं की सतर्कता के कारण, ग्राहक सहायता के नाम पर कुछ कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश कार्यक्रम ग्राहक की समस्या को हल करने के बजाय उसे और जटिल बनाते नजर आते हैं। वे ग्राहक की समस्याओं को सुनते नहीं हैं, बल्कि ग्राहक को अपनी समस्याओं को अपने तैयार किए गए ढांचे में बांधने के लिए मजबूर करते हैं, जिससे समस्या-समाधान की आड़ में उनका ध्यान भटक जाता है। इन कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य उत्पादकों के हितों की सेवा करना है, जिसके कारण अपनी समस्याओं का समाधान चाहने वाले अधिकांश ग्राहक निराशा में सिर पकड़कर बैठ जाते हैं।

उत्पादक वस्तुओं का निर्माण करते हैं और सेवा प्रदाता ग्राहक को सेवाएं प्रदान करते हैं। ग्राहक को इन वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता होती है। इसलिए दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। फिर इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव क्यों है? उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं के मुनाफे पर ग्राहकों को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, इस मुनाफे की सीमा निर्धारित होनी चाहिए। आजकल ग्राहकों का शोषण करने के लिए नई-नई मार्केटिंग तकनीक अपनाई जा रही है। यह शोषण बंद होना चाहिए। ग्राहक आंदोलन वस्तुओं को सस्ता बनाने के बारे में नहीं है, यह 'उचित मूल्य पर उचित वस्तु' की वकालत करता है। जब कोई ग्राहक किसी उत्पाद के लिए निर्माता द्वारा मांगी गई पूरी कीमत चुकाता है, तो उसे ऐसा उत्पाद मिलना चाहिए जो निर्माता द्वारा वादा किए गए गुणों को पूरा करता हो। वे उत्पाद की गुणवत्ता से समझौता क्यों करें? ग्राहक उत्पाद के लिए चुकाई गई कीमत का पूरा मूल्य चाहता है, थोड़ा भी कम नहीं। यही परिस्थितियां हैं जो बाजार में टकराव का माहौल बनाती हैं।

नीतिगत विषय तो यह है कि 'ग्राहक' आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बिंदु होने तथा आर्थिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण संप्रभुता होना चाहिए। ये गतिविधियां पर्दे के पीछे नहीं, बल्कि पारदर्शी तरीके से संचालित होनी चाहिए। इन आर्थिक गतिविधियों में ग्राहक को शामिल होना चाहिए। आर्थिक गतिविधियां त्रिकोणीय (सरकार, उत्पादक और व्यापारी) नहीं होनी चाहिए। वे चतुर्भुज (सरकार, उत्पादक, व्यापारी और ग्राहक) होनी चाहिए। अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से और स्थायी रूप से विकसित करने के लिए यह एक आवश्यक शर्त है। इसके अभाव में सरकार, उत्पादक और ग्राहक के बीच टकराव जारी रहेगा, जो देश और उसकी अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक नहीं है। यह अलग बात है कि आज ग्राहक आंदोलन इतना संगठित या मजबूत नहीं है कि वह सीधे आर्थिक गतिविधियों में हस्तक्षेप कर उन्हें पंगु बना सके। हालांकि, ग्राहकों को संगठित करने के लिए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रयास सफल हो रहे हैं। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि ग्राहकों को आर्थिक व्यवस्था के नीति निर्धारण में शामिल करना और उन्हें उनका उचित स्थान देना, प्राथमिकता होना चाहिए और आर्थिक ढांचे के सभी घटकों को साथ मिलकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

(लेखक, अखिल भारतीय संगठन ग्राहक पंचायत के केंद्रीय संगठन मंत्री हैं।)

उदयपुर में निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में भ्रष्टाचार से सम्बन्धित प्रकरण में एसीबी ने दिया प्रभावी कार्रवाई को अंजाम

01 अतिरिक्त मुख्य अभियंता, तत्कालीन सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं 01 कॉन्ट्रेक्टर को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 23 दिसम्बर, सोमवार। उदयपुर स्थित महाराणा प्रताप खेलगांव चित्रकूट नगर में क्रिकेट स्टेडियम के निर्माणकार्यों में अनियमितताओं के संबंध में प्राथमिकी की सत्यापन रिपोर्ट, तकनीकी समिति की रिपोर्ट, एफ.एस.एल. जयपुर एवं गुण नियंत्रण प्रयोगशाला, सा.नि.वि उदयपुर से प्राप्त परीक्षण रिपोर्ट तथा संबंधित रिकोर्ड के आधार पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में प्रकरण संख्या 496/2011 पंजीबद्ध किया गया था। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की उदयपुर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये उक्त प्रकरण में 01 अतिरिक्त मुख्य अभियंता, तत्कालीन सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं 01 कॉन्ट्रेक्टर को गिरफ्तार किया जाकर पेश न्यायालय किया गया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि उक्त प्रकरण में आरोपीगण के विरूद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान, जयपुर द्वारा चालानी आदेश प्रदान किये जाने के उपरान्त आरोपीगण की अभियोजन स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त कर आरोपी 1 देवेश कुमार शर्मा तत्कालीन सहायक अभियन्ता, नगर विकास प्रन्यास उदयपुर हाल अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर, 2. विमल कुमार मेहता तत्कालीन कनिष्ठ अभियन्ता, नगर विकास प्रन्यास उदयपुर हाल सेवानिवृत 3 मुकेश जानी तत्कालीन सहायक अभियन्ता, नगर विकास प्रन्यास उदयपुर हाल सेवानिवृत एवं 4. हेमराज वरदार ठेकेदार डायरेक्टर मैसर्स प्रमाण कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड, उदयपुर को एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में ए.सी.बी. उदयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर अनन्त कुमार द्वारा मय टीम गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्र.सं. 01 उदयपुर द्वारा उक्त 04 अभियुक्तगण को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाये जाने के आदेश प्रदान किये गये हैं।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

अग्रसेन युवा सेवा समिति बसेड़ी ने नायब तहसीलदार जितेंद्र गोयल का भव्य स्वागत किया

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। बसेड़ी। तहसील बसेड़ी में नवागंतुक नायब तहसीलदार जितेंद्र गोयल का अग्रसेन युवा सेवा समिति बसेड़ी द्वारा भव्य स्वागत सम्मान किया गया। समिति के अध्यक्ष हेमंत बंसल ने बताया कि बाड़ी निवासी जितेंद्र गोयल को नायब तहसीलदार पद पर पदस्थापित होने पर समिति कार्यालय बयाना मोड़ पर माला साफा पहनाकर और बुके भेंटकर सम्मानित किया गया। नायब तहसीलदार जितेंद्र गोयल ने कहा कि उन्हें जो स्नेह और प्यार अग्रसेन युवा सेवा समिति व अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों द्वारा दिया गया है, उसके लिए वह सभी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका कार्य समाज के सभी वर्गों के हित में और आपसी सामंजस्य के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष हरिओम गर्ग, संरक्षक अशोक गर्ग, वैश्य सेना के जिलाध्यक्ष रवि गोयल दौपुरा वाले, युवाध्यक्ष हेमंत बंसल, संजय अग्रवाल, निखिल गोयल, प्रदीप गुप्ता सहित कई अग्रबंधु उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय रोजगार मेले में प्योर इंडिया ट्रस्ट द्वारा स्वरोजगार जागरूकता कैंप का आयोजन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। जिला स्तरीय रोजगार

मेले के अवसर पर प्योर इंडिया ट्रस्ट द्वारा स्वरोजगार जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इस मेले में 1168 से अधिक बेरोजगार युवक और युवतियों ने भाग लिया। प्योर इंडिया ट्रस्ट के प्रोजेक्ट इंचार्ज रामबरन गोस्वामी ने युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगर कोई युवा अपना स्वयं का रोजगार खोलना चाहता है, तो इसके लिए हमारी संस्था ने पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है, जहां निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, संस्था के संस्थापक प्रशांत पाल द्वारा ₹बनो उद्यमी₹ पुस्तक का लेखन किया गया है, जिसमें स्वरोजगार के लिए 51 बिजनेस आइडियाज दिए गए हैं, जो इच्छुक युवाओं के लिए एक सटीक मार्गदर्शन का काम करेंगे। रामबरन गोस्वामी ने आगे बताया कि उनका लक्ष्य है। कि 5000 से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए जागरूक किया जाए। आपको यह भी बता दें कि बाड़ी ब्लॉक में 100 से अधिक जरूरतमंद महिलाओं को सफलतापूर्वक स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका है, जो जिले में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस शिविर में लगभग 20 कंपनियों और एनजीओ ने भाग लिया और बेरोजगार युवाओं से आवेदन लिए। प्योर इंडिया ट्रस्ट ने 41 युवाओं को स्वरोजगार के लिए चयनित किया। कार्यक्रम में जिला रोजगार अधिकारी विकास कुमार, दीपक गोयल, ममता गुप्ता, कमलेश मीणा सहित अन्य विभागों के अधिकारी गण भी उपस्थित रहे।

RHC ने रचा इतिहास: 100वां साइफर और ग्लोबल साइफर डे का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर। जयपुर के पत्रिका गेट पर राजस्थान हिपहॉप सेंटर (RHC) ने अपना 100वां राजस्थान हिपहॉप साइफर भव्य रूप से आयोजित किया। Emcee NRS (नरेश वर्मा) के नेतृत्व में यह ऐतिहासिक आयोजन पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बना। इस मौके को ग्लोबल साइफर डे के रूप में भी मनाया गया, जिसमें 3 देशों और 20+ शहरों की हिपहॉप कम्युनिटीज ने भाग लिया। यह आयोजन हिपहॉप के माध्यम से लव, पीस और यूनिटी का संदेश फैलाने का प्रतीक बना।

RHC ने अब तक 500+ कलाकारों को मंच प्रदान किया है और हर साल 15 दिसंबर को ग्लोबल साइफर डे के रूप में मनाने की घोषणा की। जयपुर ने इस आयोजन से खुद को हिपहॉप के वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया है।

अग्रवाल फाउंडेशन बाड़ी द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी: अग्रवाल फाउंडेशन बाड़ी द्वारा स्व. द्वारिका प्रसाद गोयल की पुण्यतिथि पर चतुर्थ नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रतन ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर की टीम ने 300 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया, जिनमें से 111 मरीजों का ऑपरेशन किया जाएगा। इस निःशुल्क शिविर का उद्देश्य समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग को गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवा प्रदान करना था, ताकि वे जीवन में सुधार ला सकें।

इसके साथ ही, फाउंडेशन का दायित्व ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें अखिल भारतीय सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर फाउंडेशन के नए पदाधिकारियों ने शपथ ली और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के दौरान सभी वक्ताओं ने स्व. द्वारिका प्रसाद गोयल के जीवन और उनके समाज सेवा कार्यों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्व. गोयल जी ने हमेशा समाज के कमजोर वर्ग के लिए काम किया और उनका दृष्टिकोण हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और फाउंडेशन उनके दिखाए गए रास्ते पर चलकर समाज सेवा में जुटा रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर फाउंडेशन के सचिव एडवोकेट विपिन गर्ग ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम को अंतिम रूप प्रदान किया। उन्होंने कहा कि अग्रवाल फाउंडेशन बाड़ी का उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लिए कार्य करना है, और वे इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग, धौलपुर जिला अध्यक्ष ऋषि मित्तल, अग्रवाल सभा अध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, समाजसेवी विष्णु सिंघल, डॉ. विनोद भदौरिया, स्वतंत्र पत्रकार एस.के. मंगल सहित अन्य समाजसेवी और स्थानीय लोग भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल नेत्र परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराना था, बल्कि समाज में सेवा कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। फाउंडेशन के इस कदम से क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव आएगा, और इससे समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

कोटड़ी विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को जैकेट वितरित

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर/ अराई विद्यालय के शिक्षक शिवराज चौधरी ने बताया की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटड़ी के संपूर्ण विद्यार्थियों को स्टाफ साथियों की ओर से सर्दी से बचाव हेतू जैकेट वितरित किए गए इस अवसर पर पी ई ई ओ राजेश कुमार, मीना कुमारी, रामसरुप झरोतिया, राजेश, अनीता चौधरी, अंजना मीणा, अनवर हुसैन, गणेश धायल उपस्थिति रहे।

रेलवे टर्मिनल डिपो यार्ड कंपनी ने हाई कोर्ट की पालना में लगाए 10 गुना 6170 पेड़

- राजस्व अधिकारी ने पैड लगवा कर प्रेषित की रिपोर्ट

चमकता राजस्थान/फुलेरा (दामोदर कुमावत)। कस्बे के समीप हिरनोदा रेलवे स्टेशन के पास बन रहे रेलवे टर्मिनल डिपो यार्ड के निर्माण क्षेत्र में हस्ती केमिकल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा काटे गए 617 पेड़ों के एवज में 10 गुना पेड़ लगाने के लिए राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने राज्य सरकार को आदेश जारी कर काटे गए पेड़ों की एवज में 10 गुना पेड़ पुनः लगाकर रिपोर्ट प्रेषित करने के आदेश जारी किए थे। जिसकी पालन में उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार सांभर ने हाई कोर्ट के आदेश और राज्य सरकार के अनुशंसा में रेलवे टर्मिनल डिपो यार्ड के निर्माण कंपनी मैसर्स हस्ती पेट्रोकेमिकल और शिपिंग लिमिटेड कंपनी 1 शास्त्री नगर शास्त्री सर्कल सेंड पाल स्कूल के सामने जोधपुर को काटे जाने वाले पेड़ों के बदले 10 गुना पेड़ लगाए जाने हेतु राज्य सरकार को मॉनिटरिंग हेतु निर्देशित किया गया, इस प्रकार उक्त कंपनी द्वारा हटाए गए,काटे जाने वाले 617 पेड़ों के बदले 6170 पेड़ लगाए जाने हैं,जिसमें पूर्व में 4178 पेड़ लगाए जा चुके हैं, इसकी सूचना दी जा चुकी है, इनकी सूचना प्रेषित की जा चुकी है प्रकरण में रेस्पोंडेंट संख्या 6 द्वारा 1992 पैड लगाए जा चुके हैं, जिसकी संलग्न कर प्रेषित की गई है इस प्रकार के रेस्पोंडेंट संख्या 6 मैसर्स हस्ती पेट्रोकेमिकल और शिपिंग लिमिटेड कंपनी ने काटे जाने वाले पेड़ों के बदले 10 गुना पेड़ लगाए जा चुके हैं जिसका तहसीलदार सांभर ने उपखंड अधिकारी को पत्र प्रेषित कर अवगत करवा दिया गया है।

सुशासन सप्ताह : 'प्रशासन गांवों की ओर अभियान₹ में आऊ पंचायत समिति में कुल 183 परिवादों का हुआ निस्तारण

चमकता राजस्थान। फलोदी 23 दिसंबर। सुशासन सप्ताह के तहत सोमवार को पंचायत समिति आऊ में आयोजित प्रशासन गांवों की ओर अभियान में कुल 183 परिवादों का निस्तारण हुआ। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 4 व्यक्तियों की पेंशन जारी की गई। साथ ही 15 जाति प्रमाण पत्र जारी किये गये। खाद्यान्न आपूर्ति विभाग द्वारा 72 राशन कार्ड में आधार सिडिंग की गई। 7 मूल निवास प्रमाण पत्र तथा 31 जन्म प्रमाण पत्र जारी किये गये।

शिविर में पीएम सम्मान निधि के 36 प्रकरण तथा म्यूटेशन के 17 प्रकरणों सहित अन्य प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी सुनील पंवार,सह प्रभारी विकास अधिकारी सांग सिंह, तहसीलदार हातिम खान एवं समस्त विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 19 दिसंबर से 24 दिसंबर, 2024 तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा हैं। इसी क्रम में 24 दिसंबर को पंचायत समिति बापिणी व घंटियाली में शिविर आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

चमकता राजस्थान/जयपुर। प्रशासन गांव की ओर 2024 अभियान के अन्तर्गत आज जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला कलक्टर हरजी लाल अटल की अध्यक्षता में पंचायत समिति फलौदी में किया गया।

कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित कुमार गर्ग द्वारा बताया गया कि शासन सचिव जन अभियोग निराकरण विभाग जयपुर के निर्देशानुसार राज्य में 19 दिसम्बर 2024 से 24 दिसम्बर 2024 तक सुशासन सप्ताह के तहत सभी पंचायत समिति मुख्यालयों पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत आज जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर हरजी लाल अटल ने कार्यशाला में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी विभाग भारत सरकार के उढ्क्ष्र्क्ष्अट पोर्टल एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवादों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करते हुये भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार की सुशासन की अवधारणा को साकार करने के संकल्प के साथ में कार्य करें। जिला कलक्टर हरजी लाल अटल ने राजस्थान लोक सेवा गारण्टी अधिनियम 2011 के तहत समस्त विभागों को उनके विभागों से संबंधित प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर नागरिकों को उनके विभाग से संबंधित सेवाएँ प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया जाये। जिला कलक्टर हरजी लाल अटल ने राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम 2012 के प्रभारी क्रियान्वयन के निर्देश भी सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को दिये।

बैठक में शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ऊर्जा, कृषि, उद्योग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी विभाग, सहकारिता विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग एवं राजस्व विभाग सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विजन-2047 का लक्ष्य महत्वकांक्षी होने के साथ वास्तविकता से हो प्राप्य- आईएएस मेहरा

सुशासन सप्ताह के दौरान आईएएस मेहरा की अध्यक्षता में वर्कशॉप आयोजित

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। सुशासन सप्ताह के दौरान प्रशासन गांव की ओर अभियान 2024 के तहत सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सेवानिवृत आईएएस प्रेम सिंह मेहरा की अध्यक्षता में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप को संबोधित करते हुए आईएएस मेहरा ने कहा कि जो हम भविष्य में अपने समाज की कल्पना करते हैं, और आज वर्तमान समय में जो भौतिक स्थिति है, दोनों के बीच के अंतर को पाटना ही सुशासन का उद्देश्य होना चाहिए। विजन-2047 को लेकर हमारा लक्ष्य महत्वकांक्षी होने के साथ- साथ वास्तविकता से प्राप्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हमे 2047 से भी पूर्व निकट भविष्य में ही लक्ष्यों को प्राप्त करने की इच्छा शक्ति को पोषित करना होगा। सुशासन का एक अर्थ समावेशी शासन से भी होता है। यह वंचितों, पिछड़ों, शोषितों को साथ लेकर उनके समग्र कल्याण हेतु लक्षित होना चाहिए। सुशासन महज सार्वजनिक संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं बल्कि वे निगम और निजी संस्थान भी इसके दायरे में आते हैं। जो शासन के हितधारक हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा किये गये क्षेत्र भ्रमण महज संख्यात्मक न होकर गुणात्मक होने चाहिए। सूक्ष्म एवं विस्तृत निरीक्षण ही असल जमीन पर सकारात्मक परिवर्तन लेकर आते हैं। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने जिले में की गई सुशासन प्रथाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुशासन का अर्थ आमजन को शासन के करीब लाना, सुलभ ढंग से सेवाओं की प्रदायगी सुनिश्चित करना एवं परिवादों का सुगम समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रबंधन एवं समन्वय से विकास के लक्ष्यों की वास्तविक की जा सकती है। जिला कलक्टर ने जिले के विजन डॉक्यूमेंट के बारे में अवगत कराया। वर्कशॉप में विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा की गई। विभागीय अधिकारियों ने सेक्टरवार वर्तमान स्थिति एवं भविष्य के विजन को लेकर कार्यशाला में विजन डॉक्यूमेंट पर विस्तृत जानकारी दी। जिले में की गई सुशासन प्रथाओं व पहलों पर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। साथ ही प्रश्न और उत्तर सत्र इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंत में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए एन सोमनाथ ने मुख्य अतिथि एवं सभी वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सुशासन की झलक हमारे कार्य एवं व्यवहार में नजर आनी चाहिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर धीरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

असमनी का राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में आयोजित किया जाएगा

चमकता राजस्थान

जयपुर। एसोसिएशन ऑफ़ स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ़ इंडिया (असमनी) का राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन जयपुर में किया जाएगा। यह निर्णय राजा पार्क स्थित दी पिंक कैफे, में आज संगठन की साधारण सभा की बैठक में लिया गया।

प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल क्रियान्वयन एवं अधिवेशन की तैयारीयों के लिए एक सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो इस संदर्भ में सभी अंतिम निर्णय लेगी। इस कमेटी में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, मुख्य महासचिव तरुण जैन, कोषाध्यक्ष अमृता मौर्य, उपाध्यक्ष बाबूलाल सोनी, अजय नगर, रूपेश टिंकर एवं अभय सिंह होंगे। कमेटी द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथि निर्धारण का शीघ्र ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इस अवसर पर प्रदेश के 50 वर्ष से अधिक समय से पत्रकारिता कर चुके वरिष्ठतम पत्रकारों के अभिनंदन करने का निर्णय भी साधारण सभा की बैठक में लिया गया।

इस अवसर पर एक राष्ट्रीय स्तर की स्मारिका का प्रकाशन करने का निर्णय भी लिया गया, जिसमें राज्यों की पत्रकारिता के इतिहास का समावेश होगा, इसके अलावा पत्रकारिता के वरिष्ठतम स्तंभों की जानकारी भी इस स्मारिका में समावेशित की जाएगी। पत्रिका के प्रकासन के लिए राज्य के वरिष्ठतम पत्रकार गुलाब बत्रा के नेतृत्व में एक संपादक मंडल का गठन किया गया है, जिसमें प्रदेशाध्यक्ष सहित अमृता मौर्य, रूपेश टिंकर, तरुण जैन, पीयूष कुलश्रेष्ठ, राजेंद्र राज को सम्मिलित किया गया है।

बैठक में प्रदेश के सभी 10 संभागों पर कार्यकारिणियों का गठन कर प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मेलनों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में संगठन महासचिव जोधपुर प्रभारी धर्मेंद्र सोनी ने राष्ट्रीय सम्मेलन जोधपुर, दौसा प्रभारी महेश शर्मा बालाहेडी ने दौसा में अधिवेशन कराए जाने का प्रस्ताव रखा। बैठक में राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में ही कराए जाने का निश्चय किया गया है। धौलपुर से अशोक सिंहल एवं कोटा से भरत सिंह चौहान ने वित्तीय संसाधन सहित हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बैठक में प्रदेश के सभी 10 संभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

संक्षिप्त समाचार

रूपवास में ठगी के शिकार ग्रामीणों ने निकाली जागरूकता रैली

- उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। रूपा। रुपवास/कस्बा। कई वर्षों से ग्रामीणों को दुगना पैसे करने के नाम पर ठगी का शिकार बनाया गया। इन घटनाओं के खिलाफ अब ठगी के शिकार ग्रामीण जागरूक हो रहे हैं। आज पीड़ितों ने जागरूकता पैदल यात्रा का आयोजन किया। पीड़ित प्रकाश हंश ने बताया कि कई सालों से विभिन्न प्रकार के धोखाधड़ी के रास्तों से ठग ग्रामीणों को अपने जाल में फंसा रहे थे। पाउण्ड्री गांव में कुछ साल पहले एक संगठन ने पच्चीस-तीस महिलाओं और मजदूरों को शिकार बनाया और उनसे पैसे ऐंठ लिए। बाद में संपर्क टूट जाने पर लोगों को ठगी का एहसास हुआ। इन्हीं घटनाओं के खिलाफ आज पीड़ितों ने कस्बे के मुख्य बाजार से रैली निकाली और उपखंड कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा। बरखंण्डी निवासी प्रदीप कुमार राज ने भी कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा ऑनलाइन ठगी गिरोह पर अंकुश लगाने का काम किया जा रहा है, लेकिन गांवों में जाकर पैसे ऐंठने वाले ठगों पर भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि गरीब और मजदूर वर्ग को इन ठगों से बचाया जा सके। इस उद्देश्य से आज पीड़ितों ने कस्बे में जागरूकता अभियान चलाया और लोगों को ठगी से बचने के उपाय बताए। यह अभियान गांव-गांव में फैलाकर इन धोखाधड़ी करने वाले ठगों से लोगों को बचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही पीड़ितों ने प्रशासन से ठगी के मामलों में सख्त कदम उठाने की मांग की। 2 से 3 गुना पैसा वापस करने की मांग भी की,

पर्यावरण एवं पक्षी प्रेमी एक वकील

- पर्यावरण सृष्टि का श्रृंगार है, तो मुक पक्षियों का दाना पानी एक सेवाः एड. जायसवाल

चमकता राजस्थान/फुलेरा(दामोदर कुमावत)। कस्बे के हनुमान नगर निवासी एडवोकेट नंदकिशोर जायसवाल ने पर्यावरण व पक्षियों की सेवा का जुम्मा ऐसे पकड़ रखा है जैसे एक परिवार के मुखिया अपने परिवार के प्रति सजग, एडवोकेट जायसवाल की कर्मभूमि जयपुर स्थित सिविल न्यायालय में अपनी वकालत करते हुए भी समय का उपयोग करते हुए प्रतिदिन प्रातः काल नियमित रूप से पक्षियों के दाना पानी की व्यवस्था किए बिना नहीं रहते। वहीं रविवार व छुट्टी का दिन हो कस्बे के रेलवे इंस्टिट्यूट में लगी जिम व क्रीड़ा स्थलों की सफाई करने तथा पंछियों के दाना पानी की व्यवस्था किए बिना वह अपने कर्तव्य पर नहीं जाते,गौरतलब है कि रेलवे इंस्टिट्यूट परिसर के कोने में एक छोटे चमन को विकसित कर रखा है जहां पंछियों, पक्षियों, चिड़िया आदि का आशियाना बना हुआ है, जो प्रातः काल एडवोकेट नंद किशोर जयसवाल की आवाज सुनते ही पंछी चह चाहट और कोलाहल शुरू कर देते है, उनके दाना पानी की व्यवस्था करना ही वकील साहब का कर्म सा बन गया है, इसी प्रकार इस क्षेत्र में पर्यावरण के प्रति अपने सजगता के चलते इस बगिया और क्रीडा जिम, क्रीडा स्थल पर साफ सफाई की सभी जिम्मेदारी संभालते हुए हर आने वाले युवाओं को प्रेरित करती है। पर्यावरण को बनाए रखने के लिए सदैव पेड़ पौधे लगाना व उनकी देखभाल करना इनके जहन में बस गया है। वहीं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहकर आने वाले लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हैं। एड. जयसवाल कहते हैं कि पर्यावरण सृष्टि का श्रृंगार है, वहीं मुक पक्षियों का दाना पानी एक सेवा है। हमें ऐसा करने में एक सुकून मिलता है।

समाज के हाशिए पर रह रहे बच्चे पहुंचे रिलायंस के हैमलीज़ वंडरलैंड की सपनों की दुनिया में

- रिलायंस के 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फ़ॉर ऑल'(ईएसए) कार्यक्रम के तहत हैमलीज़ वंडरलैंड के दरवाजे वंचित बच्चों के लिए खुले

चमकता राजस्थान। मुंबई। जियो के हैमलीज़ वंडरलैंड में बच्चों की किलकारियों से माहौल खुशहाल हो गया। वंचित समाज से आए करीब 1,000 बच्चे रिलायंस फाउंडेशन के ईएसए दिवस पर सपनों की इस दुनिया का हिस्सा बने। इन बच्चों को हैमलीज़ वंडरलैंड तक लाने में समाजसेवी संगठनों का सहयोग रहा, जो रिलायंस के ईएसए कार्यक्रम से जुड़े हैं। रिलायंस के वॉलंटियर लगातार बच्चों की देखभाल करते हुए उन्हें 'कहानी, कला, खुशी' अभियान में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

इस अभियान के माध्यम से बच्चों को भारत के महानायकों की कहानियों से भी परिचित कराया गया। जियो वर्ल्ड गार्डन में जियो द्वारा प्रस्तुत 'हैमलीज़ वंडरलैंड' और अजमेरा रियल्टी ने मिलकर बच्चों के लिए मॉन्स्टर राइड, हैमलीज़ का गाँव, हॉन्टेड सर्कस, और बड़े झूलों जैसी अनेक मनोरंजक और शैक्षणिक गतिविधियाँ तैयार की थीं।

इस साल वनतारा ने भी अपनी स्टॉल लगाई, जहां बच्चों ने सीखा कि घायल पशु-पक्षियों की मदद कैसे की जा सकती है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव द्वारा रैन बसेरों का औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान पाई गई अनेक अव्यवस्थाएं

जरूरतमंद लोगों के लिए शीघ्र उचित व्यवस्था करने के लिए हेरिटेज निगम आयुक्त को लिखा पत्र

चमकता राजस्थान

जयपुर,!(खलील कुरैशी) 23 दिसंबर 2024 रालसा द्वारा एक्शन प्लान माह दिसंबर, 2024 में दिए गए दिशा-निर्देशों के क्रम में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय पल्लवी शर्मा द्वारा दिनांक 22.12.2024 को रात्रि के समय स्थाई ट्रांसजेंडर आश्रय स्थल दूध मण्डी, स्थाई आश्रय स्थल नगर निगम जयपुर हेरिटेज शास्त्री नगर, अस्थाई रैन बसेरा विधाधर नगर सेक्टर 6 एवं अस्थाई रैन बसेरा खासा कोठी पुलिया का औचक निरीक्षण किया गया। आज दिनांक 23-12-2024 को अस्थायी रैन बसेरा हसनपुरा पुलिया के नीचे, अस्थायी रैन बसेरा 200 फीट बाईपास दिल्ली- अजमेर रोड़, स्थायी आश्रय गृह पुराना पंचायत भवन भांकरोटा, स्थायी आश्रय गृह गोविन्ददेव जी मंदिर के पास का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान आश्रय स्थल एवं रैन बसेरे में दी जा रही सुविधाओं एवं खाने-पीने की व्यवस्था तथा दर्ज रजिस्टर का निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया। कल दिनांक 22.12.2024 को रात्रि के समय आकस्मिक निरीक्षण में ट्रांसजेंडर आश्रय स्थल पर साफ-सफाई की उचित व्यवस्था, पानी की व्यवस्था सुरक्षा व्यवस्था एवं अग्निशमन की व्यवस्था नहीं पाई गई तथा अस्थाई रैन बसेरा विधाधर नगर सेक्टर 6 वर्तमान समय में निर्माणाधीन है। जिसके कारण जरूरतमंद लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्थाई रैन बसेरा खासा कोठी पुलिया में पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं पाई गई एवं आज दिनांक 23.12.2024 को पुराना पंचायत भवन भांकरोटा में स्थित रैनबसेरे में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं अग्निशमन की उचित व्यवस्था नहीं पाई गयी, निरीक्षण के दौरान कोई भी कर्मचारी उपस्थित नहीं था। आश्रय स्थल गोविन्द देव जी में महिला शौचालय का गेट टूटा हुआ पाया गया। अस्थाई रैन बसेरा हसनपुरा पुलिया के नीचे महिला गार्ड की व्यवस्था नहीं हैं एवं शौचालय की व्यवस्था नहीं है। अस्थाई रैन बसेरा 200 फीट बाईपास दिल्ली अजमेर रोड जयपुर झोटवाडा वर्तमान समय में निर्माणाधीन पाया गया।उक्त अव्यवस्थाओं को देखते हुए आश्रय स्थलों में उचित व्यवस्था अतिशीघ्र करने के लिए नगर निगम हेरिटेज के आयुक्त को लिखा गया।

अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर सैल्यूट तिरंगा द्वारा अटल तिरंगा सम्मान का होगा आयोजन

चमकता राजस्थान/जयपुर। सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रवादी संगठन संस्थापक एव राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा एव टीम द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के 100 वें जन्मदिन को भव्य रूप से अटल तिरंगा सम्मान समारोह एनडीएमसी दिल्ली में मनाया जाएगा ।

अटल तिरंगा सम्मान के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एव राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मदन मोहन पालीवाल ने बताया की कार्यक्रम के सम्मानीय मुख्य अतिथि स्वामी चिदानन्द सरस्वती (परमार्थ निकेतन ऋषिकेश) एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में दिल्ली सांसद मनोज तिवारी, कोल एंड माइन्स मंत्री सतीश दुबे, चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह एवं उदघाटन की बेला में दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भाजपा के राष्ट्रीय संयोजक राजेंद्र फड़के और अनेक गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम संयोजक सच्चिदानंद पोखरियाल, सह संयोजक रवि चिकारा, अन्य कॉर्डिनेटर्स नंदन झा दिल्ली अध्यक्ष, रोमी चौधरी यूपी अध्यक्ष, चित्रा दलाल, पायल झा, साधना सिंह, निशा सोलंकी, वंदना सोनी, लालू चोपाल कोर कमेटी ने पूरे देश से विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ठ प्रतिभावान लोगों का चयन किया है और अटल तिरंगा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम में अनेक कैबनेट मिनिस्टर, धर्म गुरु, ब्यूरोक्रेटस और समाज सेवी भाग लेंगे कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं पूरे देश के विभिन्न राज्यों, विदेशों से और राजस्थान से संगठन के सभी पदाधिकारी अपनी बड़ी टीम सहित सम्मान समारोह में शामिल होंगे ।

कांग्रेस आंबेडकर के प्रति प्यार दिखाने का कर रही नाटक : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली/एजेंसी। बाबा साहब भीम राव आंबेडकर पर सियासत थमने का नाम ही नहीं ले रही है। कांग्रेस की ओर से भाजपा पर, तो भाजपा की ओर से कांग्रेस पर आंबेडकर के अपमान करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी वार-पलटवार के बीच सोमवार को भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पार्टी पर जोरदार हमला किया।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस आजकल डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के प्रति प्यार दिखाने का नाटक कर रही है, लेकिन इतिहास गवाह है कि कांग्रेस पार्टी ने आंबेडकर को हमेशा नजरअंदाज किया और उनके योगदान को रौंदने का काम किया। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस को हिपोक्रेसी बंद करने की सलाह दी और आंबेडकर के प्रति कांग्रेस की नीतियों पर सवाल उठाए।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस ने डॉक्टर आंबेडकर को 1952 और 1954 के चुनावों में हराया था और उनका अपमान किया। इसके अलावा, कांग्रेस सरकार ने उन्हें कानून मंत्री के पद से इस्तीफा देने पर मजबूर किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया, जबकि आंबेडकर भारत के सबसे योग्य नेताओं में से थे। आंबेडकर को इस्तीफा देने के बाद बोलने का मौका नहीं दिया गया और बाद में उनकी एक प्रेस रिलीज जारी की गई, इसमें उन्होंने कहा था कि वह सबसे योग्य थे और फाइनेंस, उद्योग, और कानून में काम करने के लिए पूरी तरह से सक्षम थे।

धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व परियोजना के विरोध में आम सभा और शांतिपूर्वक रैली का आयोजन

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। आज दिनांक 23 दिसंबर 2024 को सरमथुरा के कन्हैया पैलेस में धौलपुर और करौली जिले के आदिवासी समाज और परंपरागत रूप से वन क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों ने धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व परियोजना के विरोध में एक विशाल आम सभा आयोजित की। सभा में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे, और इस परियोजना के विरोध में अपनी आवाज़ उठाई। सभा में मुख्य वक्ता जगदीश रावत ने कहा कि यह टाइगर रिजर्व परियोजना आदिवासी और अन्य वनवासी लोगों के लिए एक गंभीर खतरा है। उनके लिए जीवन यापन के साधन मुख्य रूप से कृषि, खनन और पशुपालन पर निर्भर हैं। यह परियोजना इन लोगों की भूमि, चरागाहों और जल संसाधनों को छीन लेगी, जिससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यह परियोजना मंजूर किए जाने के बाद यहाँ के निवासी गरीबी और पिछड़ेपन में जी रहे हैं, जिनकी जीवनशैली वन संसाधनों पर आधारित है। इसके अलावा, सभा में अन्य वक्ताओं ने भी अपनी बात रखी और धौलपुर करौली क्षेत्र को संविधान की पांचवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की। साथ ही, सभी वक्ताओं ने टाइगर रिजर्व परियोजना को निरस्त करने की अपील की। इस दौरान, पीयूसीएल संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री कविता श्रीवास्तव ने कहा कि इस विरोध आंदोलन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, ताकि यह आंदोलन और अधिक मजबूती से आगे बढ़ सके। सभा में विधायक संजय कुमार जाटव ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि वह इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। उन्होंने लोगों से अपनी ग्राम पंचायतों से आपत्ति प्रमाण पत्र लेने की अपील की। सभा को करौली जिले के कई समाजसेवी और राजनीतिक नेता, जैसे लाखन जी खिरोड़, रामेश्वर दयाल, अजय मीना आदि ने भी संबोधित किया और आंदोलन में समर्थन देने का वादा किया। सभा के बाद, एक शांतिपूर्वक रैली का आयोजन किया गया, जो मुख्य मार्ग से होते हुए करौली बस स्टैंड पहुंची। रैली में भाग लेने वालों ने ''हम अपनी ज़मीन नहीं छोड़ेंगे'' जैसे नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। रैली एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में परियोजना को निरस्त करने की मांग की गई और धौलपुर करौली क्षेत्र को संविधान की पांचवीं अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया गया। इस शांतिपूर्वक रैली के आयोजन के बाद, आगे की रणनीति पर बैठक आयोजित करने की घोषणा की गई।

केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री ने किया अलवर मिनी सचिवालय परिसर में राजीविका के राजसखी कैफे एवं रेस्टोरेंट का उद्घाटन

चमकता राजस्थान

अलवर! 23 दिसम्बर। केंद्रीय पर्यावरण ,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं राज्य के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को मिनी सचिवालय, अलवर में राजीविका की राजसखी कैफे एवं रेस्टोरेंट शुभारम्भ किया। यादव ने राजीविका समूह की महिलाओं को कैफे एवं रेस्टोरेंट के सुचारू संचालन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सचिवालय परिसर में बनाए गए इस कैफे एवं रेस्टोरेंट से विभागीय कार्मिकों के साथ-साथ यहां आने वाले लोगों को अच्छी गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित यह रेस्टोरेंट महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम है। लखपति दीदी जैसी अनेकों योजनाओं से केंद्र व राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के

की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। संजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में बड़ी संख्या में लखपति दीदी बनाकर उन्हें स्वरोजगार से जोडा है जिससे वे अपने परिवार को सशक्त करने के साथ ही आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने में सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिला समूहों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न कार्यों के प्रशिक्षण प्रदान कर स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला समूहों को उचित प्लेटफार्म प्रदान भी कराए जा रहे हैं। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने केंद्रीय मंत्री यादव एवं वन राज्यमंत्री शर्मा को राजीविका कैंटीन व महिला समूह द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उनके हस्तनिर्मित उत्पादों की जानकारी दी राजीविका की जिला परियोजना प्रबंधक रेखा रानी व्यास ने बताया कि मिनी सचिवालय परिसर स्थित कैंटीन में चाय, अल्पाहार एवं खाने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित दरों पर रहेगी। इस कैंटीन संचालन से राजीविका स्वयं सहायता की समूह सदस्यों की आजीविका में भी वृद्धि होगी। मिनी सचिवालय परिसर में नगर निगम ने भी राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन के लिए यह स्टॉल स्थापित की है। इसमें बारी-बारी से सभी स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पाद प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जाएगा।इस अवसर पर रामगढ विधायक सुखवंत सिंह, नगर निगम के निवर्तमान महापौर श्री घनश्याम गुर्जर सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

चौगान स्टेडियम के विस्तार कार्यों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

- चौगान स्टेडियम में विकास कार्य पूरे, स्पोर्ट्स काउंसिल को जल्द किए जाएंगे सुपुर्द
- युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन और जयपुर स्मार्ट सिटी सीईओ अरुण हसीजा रहे मौजूद

चमकता राजस्थान। जयपुर। (खलील कुरैशी)। जयपुर स्मार्ट सिटी की ओर से चौगान स्टेडियम में किए गए विकास कार्यों को लेकर सोमवार को एसएमएस स्टेडियम स्थित राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफिस में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन और जयपुर स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार हसीजा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान स्मार्ट सिटी योजना में चौगान स्टेडियम में किए गए विकास कार्यों को स्पोर्ट्स काउंसिल को सुपुर्द करने का निर्णय लिए गए। जयपुर स्मार्ट सिटी के अधिशाषी अभियंता अमित कुमार गर्ग ने बताया कि स्मार्ट सिटी योजना में चौगान स्टेडियम में स्विमिंग पूल, क्रिकेट मैदान, फुटबॉल मैदान के विकास कार्य और मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने को है। इन सभी के विकास तीन चरणों में किए गए, जिनमें लगभग 41 करोड़ रुपए खर्च किए गए। बैठक में स्मार्ट सिटी की ओर से क्रिकेट और फुटबॉल मैदान स्पोर्ट्स काउंसिल को सुपुर्द किए जाने का निर्णय लिया गया है। वहीं, स्विमिंग पूल का भी कार्य पूरा कर सात जनवरी तक स्पोर्ट्स काउंसिल को सुपुर्द करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा चौगान स्टेडियम में ही मल्टीस्टोरी कॉम्पलेक्स में इनडोर हॉल के भवन का बचा हुआ निर्माण कार्य पूरा कर 31 जनवरी तक सौंपने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान समीक्षा बैठक में स्मार्ट सिटी के अधीक्षण अभियंता दिनेश कुमार गोयल सहित स्मार्ट सिटी और खेल परिषद के अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा मंडल में माह नवम्बर -2024 में बिना उचित कारण अलार्म चेन खीचने (अउढ) वाले 221 लोंगो पर कार्यवाही

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के दिशा निर्देशन में आगरा मंडल में माह नवम्बर -2024 में बिना उचित कारण अलार्म चेन खीचने (अउढ) वाले 221 लोंगो पर कार्यवाही करके 11,120/- रूपये जुर्माना वसूला गया` आगरा मण्डल सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है इन्ही प्रयासों के क्रम में आगरा मण्डल के वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण के अलार्म चेन खीचने वालों के विरुद्ध निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाये जा रहे है जिसमे नवम्बर -2024 में आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर 82, आगरा किला स्टेशन पर 09, मथुरा जंक्शन पर 110, कोसीकलां स्टेशन पर 8 व धौलपुर स्टेशन पर 07 लोंगो पर कार्यवाही कर जुर्माना वसूला गया` रेल प्रशासन अपने सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना उचित एवं प्रर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें ,ऐसा करना दंडनीय अपराध है` उक्त कृत्य से आपके साथी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

चीमा की बेटी की शादी में शामिल हुए राहुल गांधी

चंडीगढ़ । कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता की बेटी की शादी में शामिल हुए। राहुल गांधी दोपहर चंडीगढ़ पहुंचे और पार्टी की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की ने उनकी अगवानी की। लक्की ने बाद में बताया कि राहुल गांधी चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में पंजाब के मोहाली जिले के एक रिसॉर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता आर एस चीमा की बेटी की शादी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि पंजाब के पूर्व महाधिवक्ता चीमा ने राहुल गांधी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि चीमा की बेटी की शादी थी और गांधी उसमें शामिल होने यहां आए थे। उन्होंने कहा कि शादी में शामिल होने के बाद कांग्रेस नेता दिल्ली लौट गए।

लीबिया में भारतीय कामगारों के समूह से संपर्क में भारतीय दूतावास

नई दिल्ली । भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि त्रिपोली स्थित भारतीय दूतावास लीबिया में भारतीय कामगारों के एक समूह की स्थिति पर 'करीब से नजर रखे हुए है' और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है, जो बिना उचित दस्तावेजों के साथ उस देश में गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उन भारतीय कामगारों के बारे में सवाल पूछा गया था जो लीबिया में एक सीमेंट कंपनी में काम रह रहे हैं और भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि कामगारों के लिहाज से निकास परमिट की व्यवस्था करने के लिए हमारा दूतावास लीबिया के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा, ''ये भारतीय कामगार दुबई के रास्ते बेंगाजी पहुंचे थे। वे वहां गए थे, लेकिन उनके पास उचित दस्तावेज नहीं थे। जब वे उतरे, तब उनके काम को लेकर कुछ समस्याएं थीं... हमें इन कठिनाइयों के बारे में पता चला... त्रिपोली में हमारा दूतावास सक्रिय है। हमने वहां अपने समुदाय के माध्यम से अपने कामगारों से संपर्क किया।''

प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा सदस्यता खतरे में, केरल हाईकोर्ट पहुंची नव्या हरिदास

`* चुनावी हलफनामे में जानकारी छुपाने का आरोप

कोच्चि (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा की सदस्यता खतरे में हैं। दरअसल, वायनाड लोकसभा सीट पर उनकी जीत को चुनौती देकर बीजेपी नेता नव्या हरिदास ने केरल हाईकोर्ट पहुंच गई है।

नव्या हरिदास ने वायनाड से बीजेपी के टिकट पर प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन वे प्रियंका गांधी से 5,12,399 वोटों से हार गई थीं। वे सीपीआई के सत्यन मोकेरी के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। केरल हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में, नव्या ने तर्क दिया है कि प्रिंयका गांधी वाड्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय, उनके और उनके परिवार के स्वामित्व वाली विभिन्न संपत्तियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा दी थी।

हरिदास के अनुसार, प्रिंयका गांधी ने मतदाताओं की पसंद को प्रभावित करने के इरादे से मतदाताओं को गुमराह किया, गलत जानकारी देकर अंधेरे में रखा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कई मौकों पर मतदाताओं पर

अनुचित प्रभाव डाला और कानून का उल्लंघन किया।

कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति

बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया था कि उनके पास कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है, जबकि कुल अचल संपत्ति 13.89 करोड़ रुपये की है। वहीं प्रियंका ने बताया था कि उनके पति रॉबर्ड वाड्रा के पास कुल 37.91 करोड़ रुपये की चल संपति है। इस चुनावी हलफनामे के मुताबिक प्रियंका गांधी पर करीब 15 लाख 75 हजार रुपये का कर्ज है।

आंबेडकर पर शाह के बयान के विरोध में बसपा की 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करेगी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर संसद में जो बयान दिया है उससे सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित और आक्रोशित हैं और पार्टी शाह के बयान के विरोध में 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करेगी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, ''देश के दलित, वंचित व अन्य उपेक्षितों के आत्म-सम्मान व मानवीय हकूक के लिए अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान के रूप में असली ग्रंथ के रचयिता बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर भगवान की तरह

परमपूजनीय हैं। अमित शाह ने उनका अनादर किया है जिससे लोग आहत हैं।'' बसपा प्रमुख ने पोस्ट में लिखा, ''ऐसे महापुरुष के बारे में शाह की संसद में टिप्पणी से पूरे देश में सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित, आक्रोशित व आन्दोलित हैं। बसपा ने शाह से अपना बयान वापस लेने व पश्चाताप करने की मांग की है, जिसपर अभी तक अमल नहीं किया गया है।'' बसपा नेत्री मायावती ने कहा कि पार्टी ने अपनी मांग को लेकर 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया है। उस दिन देश के सभी जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा और कहा कि अगर कांग्रेस, भाजपा आदि दल बाबा साहेब का दिल से आदर-सम्मान नहीं कर सकते तो उन्हें उनका अनादर भी न करना चाहिए। गौरतलब है कि मंगलवार को संविधान पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, ''अभी एक फैशन बन गया है... आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'' शाह के इस बयान के लिए तीखी आलोचना हो रही है।

पोते की कस्टडी के लिए दादी ने लगाई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

बेंगलुरु (ईएमएस) । इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद 4 वर्षीय पोते के लिए दादी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है । इस याचिका के माध्यम से दादी ने बहू निकिता सिंघानिया से पोता दिलाने की मांग की है । अभी तक उनकी बहू ने उनका पोता कहां है, इसकी सही जानकारी नहीं दी है । ना ही उनके परिवार को बच्चों को सौपा है ।जिसके कारण उन्होंने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की है । बहू निकिता ने पुलिस को जांच के दौरान बताया है । बच्चे को फरीदाबाद के एक बोर्डिंग स्कूल में दाखिल कराया गया है । बच्चों की देखरेख उसके चाचा सुशील सिंघानिया कर रहे हैं । सुशील ने इस जानकारी को झूठा बताया है । बच्चे के बारे में अनिभीज्ञता जताई है । न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति और कोटेश्वर सिंह की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक सरकारों को मामले पर सही स्थिति स्पष्ट करने के लिए नोटिस जारी किया है । इस मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी को रखी गई है । आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष के भाई की ओर से दर्ज एफआईआर पर निकिता और उसके परिवार के अन्य सदस्यों को 16 दिसंबर को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ।सभी गिरफ्तार आरोपियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है ।

संजय राउत ने दिए संकेत, बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ सकती है शिवसेना यूबीटी

इसका मतलब ये नहीं कि महाविकास अघाड़ी टूट गई

मुंबई (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में हुए धक्काकांड को लेकर सियासत जारी है। इस बीच शिवसेना यूबीटी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत का बयान आया है। राउत ने धक्काकांड के बाद चोटिल सांसदों को लेकर कटाक्ष किया है। राउत ने कहा कि भाजपा सांसद अस्पताल में लेटकर कितना अच्छा अभियन करते हैं। इस दौरान राउत ने संकेत दिया है कि ठाकरे की शिवसेना बीएमसी का चुनाव अकेले लड़ सकती है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामलों (भाजपा की शिकायत और कांग्रेस की शिकायत) को अपराध शाखा को सौंपने पर राउत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी सरकार मामले को ईडी और एफबीआई को दे सकती है, क्योंकि वे कुछ भी कर सकते हैं, वे फर्जी मामले दर्ज करते हैं। यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग है कि शिवसेना को मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का चुनाव अपने दम पर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के

साथ बैठक के बाद उद्धव ठाकरे फैसला ले सकते है। इसका मतलब यह नहीं कि महाविकास अघाड़ी टूट गई है। इससे पहले जब हम बीजेपी के साथ थे तब भी हम अलग-अलग चुनाव लड़ चुके हैं।

उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने अर्बन नक्सल वाले बयान पर सीएम देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फडणवीस झूट बोलते हैं। लेकिन हाथ में कागज लेकर झूठ बोलना यह फडणवीस की आदत है। उन्होंने सदन में झूठ बोला है। राउत ने कहा कि वे अर्बन नक्सल की बात करते हैं, लेकिन भारत छोड़ो यात्रा में सभी समाज के लोग शामिल थे। लेकिन इनका कहना है कि काठमांडू में मीटिंग हुई, तब यह पीएम का फेल्योर है।

सांसदों के बीच धक्कामुक्की मामले में एसआईटी का गठन, जांच ने पकड़ी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में हुए धक्का-मुक्की मामले की जांच गति पकड़ने लगी है। मामले को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया है। इसकी जांच अब क्राइम ब्रांच की चाणक्यपुरी स्थित आईएससी यूनिट करेगी।

यह पूरा मामला संसद परिसर में सांसदों के बीच धक्कामुक्की का है, इसमें बीजेपी के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल तक हो गए थे। दोनों का इलाज आरएमएल अस्पताल में चल रहा है। इस मामले की संजीदगी और गंभीरता को देखकर क्राइम ब्रांच की एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

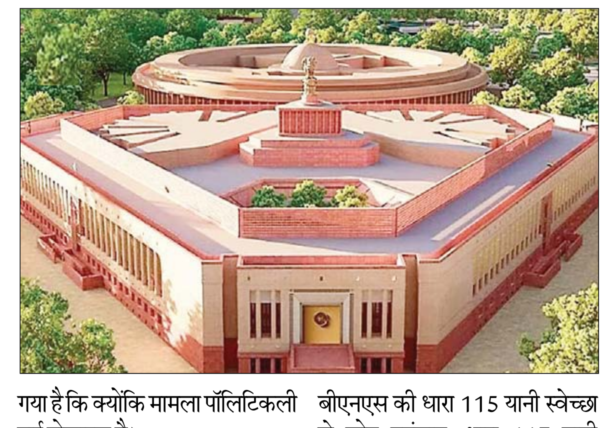

जांच में दो एसीपी भी शामिल

क्राइम ब्रांच की एसआईटी की टीम में 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 3 सब इंस्पेक्टर शामिल है। जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करने वाले है। इस मामले की जांच में 2 एसीपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पॉलिटिकली हाई प्रोफाइल है।

अमूमन देखा गया है कि पॉलिटिकल हाई प्रोफाइल मामले हमेशा दिल्ली पुलिस की आईएससी क्राइम ब्रांच यूनिट को ही जांच दी जाती है। सूत्रों की मानें पार्लियामेंट एडमिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा, जिसमें घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज काफी मायने रखती है।

बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचान, धारा 117 यानी स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना, धारा 125 यानी दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का काम, धारा 131 यानी आपराधिक बल का प्रयोग, धारा 351 यानी आपराधिक धमकी और धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। राहुल गांधी को मामले में पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

साइबर ठगी में महत्वपूर्ण होते हैं शुरुवाती दो से तीन घंटे, इस दौरान की शिकायत, पैसा मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपके साथ साइबर ठगी हुई है, और आप तीन से चार दिन बाद शिकायत करने जाते हैं, तब बहुत कम उम्मीद है कि आपका रुपया आपको मिल जाए। लेकिन सच ये हैं कि ठगी होने के एक से तीन घंटे महत्वपूर्ण घंटे होते हैं। अगर इस समय आप ठगी की शिकायत करते हैं, तब आपसे ठगी की रकम आपको वापस मिलने की उम्मीद बढ़ जाती है। अगर आपको लगता है कि आप साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं, तब आप सबसे पहले नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर के इस रिपोर्ट करें।

अपने पास इससे जुड़े हर तरह के सुबूत को एकत्रित कर के रखिए। अगर 1930 पर फोन नहीं उठता है, तब साइबर क्राइम की वेबसाइट पर रिपोर्ट करें। जानकार ने बताया कि जागरुकता के अभाव में आजकल लोगों के साथ तेजी से स्कैम हो रहे हैं। लोग अनजाने में ऐसी लिंक पर क्लिक कर देते हैं या इसतरह के एप डाउनलोड कर लेते हैं और फिर उनका सारा निजी डाटा अपराधियों के पास आ जाता है। इसलिए किसी भी लिंक या एप को डाउनलोड करने से पहले ये जरूर जांच ले कि वहां लिंक सही है भी या नहीं। जानकार ने कहा कि जब भी वे शेयर मार्केट में निवेश करें तब सेबी से पंजीकृत एप्लीकेशन का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि मार्केट में इसतरह के शेयर मार्केट से बहुत सारे फर्जी एप्लीकेशन हैं जो लोगों के निवेश किए गए रुपयों की ठगी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजकल फोन पर पार्ट टाइम नौकरी के बहुत सारे संदेश आते हैं, जिसमें लिखा होता है घर बैठे 20 से 30 हजार कमाओ।

ये मैसेज केवल ठगी के लिए होते हैं। इसलिए इस तरह के मैसेज पर दी गई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने कहा कि गूगल पर जब भी किसी वेबसाइट को सर्च करे, तब सबसे पहले स्पांसर्ड वेबसाइट आती है, ये स्पांसर्ड वेबसाइट अधिकतर जालसाजों की ओर से तैयार की गई हैं, जो हुबहू मूल वेबसाइट की तरह लगेंगी। इसलिए वेबसाइट सर्च करने के बाद आख मूंद कर वेबसाइट पर क्लिक करने से पहले देख ले कि कहीं ये स्पांसर्ड नहीं है।

आजकल बहुत सारे लोगों को काल आता है कि आपके नाम से एक पार्सल मिला है, जिसमें ड्रग्स, फर्जी पासपोर्ट, फर्जी सिम मिले हैं और कॉल करने वाला अपने आपको पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बन के वीडियो कॉल करता है। आप कॉल से इतने डर जाते हैं कि एक-एक करके जालसाजों द्वारा मांगी जा रही जानकारियों को उनसे साझा करते हैं। फिर वे आपसे ही मांगी गई जानकारी से आपको गिरफ्तारी का वारंट दे देता है और दो से तीन दिन डिजिटल अरेस्ट कर के रखता है। यानी अपराधी आपको वीडियो कॉल बंद नहीं करने देता है और न ही किसी को फोन करने की अनुमति देता है। इस बीच वहां आपसे आपकी जमा पूंजी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कराकर आपसे ठगी कर लेता है। सभी को ये जानना बहुत जरूरी है कि डिजिटल अरेस्ट

जैसा कोई कानून नहीं है। जब भी कभी ऐसा हो तब आप घबराएं नहीं और इसतरह के नंबरों को ब्लॉक कर दें या फोन काट दें। आपकी जागरुकता ही आपको इस तरह की ठगी से बचा सकती है।

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।

लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।

कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।

एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।

उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।

मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।

एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।

जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।

एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।

जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।

जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।

जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?

मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया। इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का संभवतः शेड्यूल आया सामने, भारत-पाक मैच इस तारीख से

खेल डैस्क। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शेड्यूल को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। टीम इंडिया अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेल सकती है। यह मैच 20 फरवरी को होगा। भारतीय टीम अपने अन्य दो मुकाबले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। दोनों मैचों का वेन्यू क्या होगा, यह अभी साफ नहीं हो पाया लेकिन इसे श्रीलंका के कोलंबो या यूएई के दुबई में करवाया जा सकता है। इस पर आधिकारिक बयान आना बाकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को मैच खेला जा सकता है। टीम इंडिया पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक ग्रुप में है।

इन दो ग्रुपों में बांटी जाएंगी टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दो ग्रुप बनेंगे। इसमें भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ए ग्रुप में रखा जाएगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान बी ग्रुप में। अफगानिस्तान ने बीते कई महीनों से परफॉर्मेंस में काफी सुधार किया है। उन्होंने पाकिस्तान समेत कई बड़ी टीमों को मात दी है।

टीम इंडिया कहां खेलेगी अपने मैच

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को अप्रूव कर दिया है। अब भारतीय टीम अपने मैच पाकिस्तान में खेलने नहीं जाएगी। वहीं, पाकिस्तान टीम भी साल 2027 तक भारत में नहीं आएगी। दोनों टीमें किसी अन्य स्थानों पर मैच खेलती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि भारत और पाक के बीच आगामी मुकाबला कोलंबो या दुबई में हो सकता है। इन दोनों में से ही किसी एक शहर को चुनने की संभावना है।

ऐसा हो सकता है चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया का शेड्यूल

भारत बनाम बांग्लादेश - 20 फरवरी
भारत बनाम पाकिस्तान - 23 फरवरी
भारत बनाम न्यूजीलैंड - 2 मार्च

भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का रिकॉर्ड बहुत ही अच्छा रहा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में 2002, 2013 और 2017 में भाग लिया और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफलता पाई। 2002 में भारत और पाकिस्तान में फाइनल हुआ था। उक्त मैच बारिश के कारण बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया। दोनों देशों को संयुक्त विजेता

घोषित किया गया। साल 2006 में भारत आगे नहीं बढ़ पाया था। 2009 में भारत ने सेमीफाइनल गंवा दिया था। 2013 में वह इंग्लैंड और वेल्स में इंग्लैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही। 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत पहुंचा था लेकिन पाकिस्तान खिताब जीतने में सफल रही थी।

रॉबिन उथप्पा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला, गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। भविष्य निधि (पीएफ) मामले से संबंधित कर्मचारियों और सरकार को धोखा देने के एक कथित मामले में भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के रूप में, उथप्पा पर कर्मचारियों और सरकार को वेतन से पीएफ योगदान में कटौती करने लेकिन कर्मचारी खातों में धनराशि जमा करने में विफल रहने का आरोप है। कंपनी पर कथित तौर पर 23.36 लाख रुपए का हर्जाना बकाया है, जिसे अधिकारी उथप्पा से वसूलना चाहते हैं।

धोखाधड़ी के आरोप में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त शादक्षीरी गोपाल रेड्डी ने 4 दिसंबर, 2024 को एक पत्र जारी कर पुलकेशी नगर पुलिस को उथप्पा को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस रॉबिन उथप्पा के घर नोटिस जारी करने गई थी. वर्तमान में, वह उस पते पर नहीं रहता है। इसलिए रॉबिन उथप्पा के लिए वारंट जारी कर दिया गया है।

बयान में लिखा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि टीके कृष्णा दास, जो एम/एस सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड (ईएसटी कोड (पीवाई/केआरपी/1524922) के निदेशक हैं, इंदिरानगर में एचएएल सेकेंड स्टेज में संबोधित हैं, धारा 7ए के तहत नुकसान की भरपाई करने में विफल रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और विविध प्रावधान (एमपी) अधिनियम, 1952 की धारा 14बी, और 7क्यू के तहत रु. 23,36,602, जिसमें वसूली के 6,550 रुपए भी शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया- इसलिए, आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त प्रतिष्ठान के निदेशक रॉबिन उथप्पा की गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को उस थाना प्रभारी के माध्यम से निष्पादित करें, जिसके अधिकार क्षेत्र में नियोक्ता रहता है। बकाया भुगतान न करने के कारण, यह कार्यालय गरीब श्रमिकों के भविष्य निधि खातों का निपटान करने में असमर्थ है। उपरोक्त को देखते हुए, आपसे अनुरोध है कि उस थाना प्रभारी के माध्यम से गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को निष्पादित करें जिसके अधिकार क्षेत्र में उथप्पा रहता है। बता दें कि उथप्पा ने 59 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और इंडियन प्रीमियर लीग में तगड़े बल्लेबाज रहे हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत सिंह

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है। अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा।

जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। अगर विश्व रिकॉर्ड की बात करें तो अनमोलप्रीत की पारी लिस्ट ए में सबसे तेज शतकों की सूची में तीसरे नंबर पर है। रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक-फ्रेजर मैकगर्क के नाम पर है जिन्होंने 2023 24 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफ केवल 29 गेंद पर शतक जड़ दिया था। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स का नंबर आता है जिन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहानिसबर्ग में 31 गेंद पर शतक बनाया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज अनमोलप्रीत ने 45 गेंद पर नाबाद 115 रन बनाए जिसने 12 चौके और नौ छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से पंजाब ने केवल 12.5 ओवर में 165 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया। पंजाब ने एक विकेट पर 167 रन बनाए। कप्तान अभिषेक शर्मा (10) के जल्दी आउट होने के बाद अनमोलप्रीत ने प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 35) के साथ दूसरे विकेट के लिए 153 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश की टीम 164 रन पर आउट हो गई थी। पंजाब की तरफ से तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार और लेग स्पिनर मयंक मारकंडे ने तीन-तीन विकेट लिए।

कोहली अंतर पैदा कर देंगे : बॉक्सिंग डे टेस्ट पर बोले पूर्व कोच संजय बांगड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच संजय बांगड़ का मानना है कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में होने वाला बॉक्सिंग डे टेस्ट एकदम सही है। विराट कोहली के पास इस अवसर पर आगे बढ़ने और खुद को भारत की बल्लेबाजी लाइनअप के आधार के रूप में फिर से स्थापित करने का अवसर है। फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 से बराबरी पर है। यह मैच जीतते ही भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं मजबूत हो जाएंगी। मौजूदा सीरीज में कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। जहां पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, वहीं अन्य मैचों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता बनाए रखने में विफल रहे हैं। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की डिलीवरी पर फंसते नजर आ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का जमकर फयदा भी उठाया है। हालांकि, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इस बात पर जोर दिया कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया कोहली के लिए इन संघर्षों का इलाज हो सकता है। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे। इस हाई-स्टेक मुकाबले में विराट की भूमिका अंतर पैदा करने वाली हो सकती है। उन्होंने एमसीजी में पहले भी ऐसा किया है और ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह दोबारा ऐसा नहीं कर सकें।

फॉलोऑन टालने पर भारतीय टीम के जश्न मानने को गलत नहीं मानते शास्त्री

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में फॉलोऑन टालने के बाद जश्न मनाने में कुछ भी गलत नहीं था। गाबा में मैच के चौथे दिन, आकाश दीप ने पैट कमिंस की गेंद पर चौका लगाकर फॉलोऑन खेलने से भारतीय टीम को बचा लिया। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली भी ड्रेसिंग रूम में जश्न मनाते दिखे। वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने इसपर हैरानी जतायी है। शास्त्री के अनुसार इसमें कुछ भी गलती नहीं दिखती। आपको क्यों नहीं जश्न मनाना चाहिए। कठिन हालातों में अंतिम जोड़ी का 35 से 36 रन बनाकर फॉलो-ऑन टालना आसान बात नहीं है। जश्न ने दिखाया कि वे सीरीज को लेकर उस प्रयास के महत्व को जानते थे।' शास्त्री ने कहा, फॉलो-ऑन करना एक बात है, फिर पिछड़ना एक बात है, जबकि आप आगे बढ़कर ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को हिला देते हैं। यह पूरी तरह से सही है।

आईसीसी ने स्टंप पर लात मारने वाले क्लासेन पर जुर्माना लगाया

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक नियम के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। क्लासेन पर ये जुर्माना पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में 97 रन पर आउट होने के बाद गुस्से में स्टंप पर लात मारने के लिए लगाया है।

आईसीसी ने उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। क्लासेन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 74 गेंदों पर 97 रन बनाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 330 रनों तक पहुंच पायी। क्लासेन ने अंत तक बल्लेबाजी की और 43वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे। इस मैच में अफ्रीकी टीम को 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हार गई. आउट होने के बाद निराश हुए क्लासेन ने स्टंप पर लात मारी, जिसके कारण आईसीसी ने उनपर जुर्माना लगाया। इस मैच में पाकिस्तान की जीत में बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। इसके अलावा कामरान गुलाम ने भी 32 गेंदों में 63 रन बनाये।

अभी मेरा ध्यान उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताना : रिंकू

लखनऊ ।विजय हजार ट्रॉफी में पहली बार उत्तर प्रदेश टीम की कप्तानी कर रहे रिंकू सिंह बेहद उत्साहित हैं। रिंकू ने कहा रिंकू को ऐसे समय में कप्तानी का प्रभार मिला है, जब उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स, आईपीएल 2025 सीज़न के लिए कप्तान चुनने पर विचार कर रही है। हालांकि रिंकू ने कहा कि उनका ध्यान अभी उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताने पर है। उन्होंने कहा, मैं नए आईपीएल सीज़न में केकेआर की कप्तानी के बारे में ज़्यादा नहीं सोच रहा हूं। मैं अपनी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं जिससे उत्तर प्रदेश की टीम उस ट्रॉफ़ी को फिर से जीत सके, जो हमने पहली बार 2015-16 में जीती थी। यह टूर्नामेंट चयनकर्ताओं को फ़रवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए भी एकदिवसीय टीम तय करने में सहायता करेगा। रिंकू के लिस्ट-ए आंकड़े बेहद प्रभावशाली हैं। उन्होंने 52 पारियों में 48.69 की औसत और 94.8 के स्ट्राइक रेट से कुल 1899 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। रिंकू इस टूर्नामेंट को अपनी योग्यता साबित करने के मौके के रूप में नहीं देख रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे भगवान पर भरोसा है। जब मैंने पिछले साल आईपीएल में लगातार पांच छक्के मारे थे, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारतीय टीम का हिस्सा बनूंगा। वह मेरी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। आज भी मुझे लगता है कि अगर भगवान ने मेरे लिए कुछ तय किया है, तो मुझे वह ज़रूर मिलेगा, लेकिन इसके लिए मुझे अपनी मेहनत जारी रखनी होगी।

मैं दर्शकों की भावनाओं को समझता हूं, आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को बनाएंगे चैंपियन : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाले श्रेयस अय्यर का कहना है कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग को खिताब दिलाना है। अय्यर ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया था। ऐसे में नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर वह लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। श्रेयस को जीत दिलाने के मकसद से पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर भी हैं।

बहरहाल, श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि भारत के बल्लेबाज ने कप्तान के रूप में 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टभ्म ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों पर विचार करते हुए, अय्यर ने आगामी आईपीएल सीज़न के लिए अपना उत्साह साझा किया।

अय्यर ने फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि एसएमएटी (सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी) जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

आईपीएल 2025 सीजन की तैयारी कर रहे श्रेयस का प्राथमिक लक्ष्य स्पष्ट है- पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल जीतना। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा साल रहा है। इस सीजन में चार ट्रॉफियां जीती। मेरा मुख्य लक्ष्य अब पंजाब के लिए आईपीएल जीतना है। मैं प्रशंसकों की भावना समझता हूं और रिकी पोंटिंग के साथ आने से खुश हूं। हम कई पहलुओं पर विचार-मंथन करेंगे और उम्मीद है कि पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

बांग्लादेश वेस्टइंडीज मैच में बल्लेबाज को आउट दिये जाने के बाद वापस बुलाया गया

जमैका ।वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 189 रन बनाये। वहीं इसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 109 रन ही बना पायी और 81 रनों से हार गयी। ये मैच एक और कारण से चर्चाओं में आया है। इस मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाज जेकर अली को रन आउट दिये जाने के बाद ड्रेसिंग रूम से वापस बुलाया गया। बांग्लादेश की पारी के 15वें ओवर की है। उस समय जेकर और शमीम हुसैन एक रन लेने दौड़े थे। ओवर की तीसरी गेंद को जेकर ने स्क्वायर लेग की ओर खेला था जिसके बाद वह एक रन लेने दौड़ गये। वहीं हुसैन ने उन्हें वापस जाने को कहा दिया। जेकर इस दौरान आधी पिच तक पहुंच गये थे उन्होंने दौड़ जारी रखी और क्रीज पर पहुंच गये। अंपायरों के रन आऊट दिये जाने वर वह ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए पर रिप्ले से पता चला कि वह क्रीज पार कर चुके थे जबकि हुसैन का बल्ला हवा में ही था। अंपायरों ने फौरन अपना फैसला बदलते हुए जेकर को वापस बुला लिया। बांग्लादेश की ओर से परवेज हुसैन ने 39 रन जबकि लिटन दास ने 14 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेकर ने 41 गेंदों पर 3 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 72 रन बनाए। इसके अलावा मेहंदी हसन मिराज ने 29 रन बनाए। तंजीम ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाए और स्कोर 189 तक पहुंचा दिया। इसके बाद मेजबान वेस्टइंडीज टीम 109 रनों पर ही सिमट गयी और 81 रनों से मैच हार गयी। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो ने सबसे अधिक 33 रन बनाए। वहीं जॉनसन चार्ल्स ने भी 23 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से राशिद ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए।

महान रेसलर रे मिस्टीरियो सीनियर का निधन, 30 साल की थी रैसलिंग

खेल डैस्क ।प्रसिद्ध मैक्सिकन पहलवान रे मिस्टीरियो सीनियर का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि पहलवान का बीते 20 दिसंबर को ही निधन हो गया था लेकिन इसकी पुष्टि परिवार ने अब की है। मिस्टरियो सीनियर ने मेक्सिको में लुचा लिब्रे स्टाइल में प्रसिद्धि हासिल की थी। वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लुचा लिब्रे एएए वर्ल्डवाइड जैसे प्रमुख संगठनों के साथ उन्होंने कई चैंपियनशिप खिताब जीते थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें 1990 में विश्व चैम्पियनशिप कुश्ती के स्टारकेड जैसे आयोजन भी शामिल थे। अपनी ऊंची उड़ान शैली और कुश्ती में योगदान के लिए जाने जाने वाले मिस्टीरियो ने दुनिया भर में अनगिनत प्रशंसकों और एथलीटों को प्रेरित किया। मिस्टरियो जिसका असली नाम मिगुएल एंजेल लोपेज डायस था, की मौत का खुलासा लुचा लिब्रे एएए ने एक्स अकाऊंट पर डाली एक पोस्ट से हुआ। उन्होंने उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं और अपनी गहरी संवेदनाएं भेजीं। पोस्ट में लिखा है- हमें मिगुएल एंजेल लोपेज डायस की संवेदनशील मौत पर अफसोस है, जिन्हें रे मिस्टीरियो सीनियर के नाम से जाना जाता है। हम उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनकी शाश्वत शांति के लिए स्वर्ग से प्रार्थना करते हैं।

क्या है लूचा लिबरे- लूचा लिबरे मैक्सिकन पेशेवर कुश्ती है। यह एक ऐसी शैली है जो आमतौर पर मैक्सिको से जुड़ी हुई है और अपने रंग-बिरंगे मुखौटों वाले कलाकारों और हवाई चालों के लिए जानी जाती है। इनके सभी पहलवान मुखौटे डालकर रिंग में आते हैं। इनमें रे मिस्टीरियो सबसे ज्यादा फेम्स हैं।

वसीम अकरम जैसे गेंदबाज हैं बुमराह : लैंगर

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह पाकिस्तान के वसीम अकरम जैसा गेंदबाज है। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए हैं। बुमराह ने 10.90 की औसत से 21 विकेट लिए हैं। उन्होंने अब तक सीरीज में सलामी बल्लेबाजों को भी 4-4 बार आउट किया है। इसी को देखते हुए लैंगर ने कहा कि मैं भी उनका सामना नहीं करना चाहूंगा। वह अकरम की तरह गेंदबाजी करता है। वह एक प्रकार से अकरम का दाहिना हाथ का संस्करण नजर आता है। वहीं जब भी मुझसे यह सवाल पूछा जाता है कि आपके सामने अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज कौन है, तो मैं कहता हूं अकरम क्योंकि उनके पास अच्छी गति थी। वह हर बार एक ही स्थान पर गेंद डालते थे। उनके बास अच्छा बाउंस थ। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवा लेते थे। इससा उनका सामना करना बेहद कठिन होता था।लैंगर ने कहा कि मुझे इसी प्रकार बुमराह का सामना करने से नफरत होगी। वह एक महान प्रतिस्पर्धी है, वह अच्छी गति से गेंदबाजी करता है और वह अद्भुत है। मैंने सीरीज की शुरुआत में कहा था, अगर बुमराह फिट रहते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए वास्तव में परेशानी साबित होगें जो सही रहा है। अगर वह यहां नहीं होते तो मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया आसानी से सीरीज जीत जेती। लैंगर ने यह भी कहा कि शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम अपनी बल्लेबाजी में कोई बदलाव नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें अब श्रृंखला में 1-1 से कोई बदलाव करते हुए नहीं देख सकता। कुछ खिलाड़ियों के बारे में कुछ चर्चा होगी, लेकिन मुझे लगता है कि वे इसे वैसे ही रखेंगे।

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एनआरएआई द्वारा आईएसएसएफ से आधिकारिक पुष्टि प्राप्त करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसका अहसास हुआ था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद जल्द उनके साथ इसे साझा करेंगे ताकि सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।''

इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं।

20वें जेजेएस में बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय विजिटर्स शामिल हुए

19 से 22 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा आगामी संस्करण

जेजेएस में रशियन और थाइलैंड के डेलिगेशन ने भी विजिट किया

जेजेएस 2024 में 4 दिनों में लगभग 50,000 विजिटर्स ने की शिरकत

चमकता राजस्थान

जयपुर! 23 दिसंबर। जयपुर एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित चार दिवसीय 'द दिसंबर शो' झ जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) का 20वां संस्करण सोमवार को शानदार सामरोह के साथ समापन हुआ। शो में लगभग 50,000 विजिटर्स ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष की तरह, आयोजकों और प्रदर्शकों को इस वर्ष भी मिल रही उत्साही और सकारात्मक प्रतिक्रिया से अपार संतोष हुआ, जो शो के सफल संस्करण को और भी शानदार बना दिया। इस वर्ष के शो में भाग लेने वाले सभी व्यापारियों, डिजाइनरों और ज्वेलरी प्रेमियों ने कार्यक्रम की भव्यता और उत्कृष्टता की सराहना की। आयोजकों के लिए यह विशेष रूप से प्रसन्नता का कारण था कि शो ने न केवल भारतीय बाजार को बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया। इसके साथ ही, शो ने स्थानीय कला और शिल्प को प्रमोट करने में

भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे जयपुर की पारंपरिक और समकालीन ज्वैलरी डिजाइनों को वैश्विक मंच पर पहचान मिली।इस अवसर पर जेजेएस के चेयरमैन विमल चंद सुराणा ने कहा कि जयपुर ज्वैलरी शो इस वर्ष वाकई नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। इस बार के शो में न सिर्फ अब तक के सबसे अधिक बूथ लगाए गए हैं, बल्कि खरीदारों की रिकॉर्ड संख्या भी दर्ज की गई है। यह एग्जीबिटर्स के साथ-साथ बायर्स के लिए भी एक उल्लेखनीय मंच बना हुआ है, जो इस शो से जुड़े सभी लोगों के लिए बेहतरीन व्यावसायिक अवसर सुनिश्चित करता है।

जेजेएस के मानद सचिव, राजीव जैन ने कहा कि जेजेएस के इस संस्करण के चार दिनों में करीब 50,000 लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई। इनमें 7,915 बाहरी और 593 अंतरराष्ट्रीय रजिस्ट्रेशन शामिल थे। हांगकांग, अमेरिका, रूस, आर्मेनिया, जॉर्जिया, यूएई, कजाकिस्तान, तुर्की व उज्बेकिस्तान सहित विश्व भर से आए खरीदारों की मौजूदगी ने इस आयोजन को और व्यापक व बेहतर बना दिया है, जिससे जयपुर की स्थिति ज्वैलरी के बेहतरीन केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि जेजेएस का आगामी संस्करण 19 से 22 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा।जेजेएस प्रवक्ता, अजय काला ने समापन समारोह का संचालन किया। उन्होंने कहा कि इस बार जेजेएस व्यवसाय के साथ-साथ प्रबंधन की दृष्टि से भी अब तक का सबसे बेहतरीन शो रहा है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सबसे व्यापक और उपयोगी शो रहा। उन्होंने शो की सफलता के लिए सभी प्रदर्शकों, विक्रेताओं और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।समापन समारोह में इस आयोजन से जुड़े वेंडर्स को उनके सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह दिए गए। इनमें से अधिकांश विक्रेता वर्ष 2003 में जेजेएस की स्थापना के समय से ही इससे जुड़े हुए हैं। अंत में राजीव जैन ने सभी प्रायोजकों व सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त समाचार

सद्भावना के सिपाही संगठन राजस्थान प्रदेष की कार्यकारणी के चुनाव सम्पन्न श्री राजीव अरोड़ा बने अध्यक्ष

चमकता राजस्थान। जयपुर। सद्भावना के सिपाही संगठन राजस्थान प्रदेष कार्यकारणी के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें श्री राजीव अरोड़ा अध्यक्ष, शकील अहमद एडवोकेट उपाध्यक्ष, भवानी शंकर शर्मा महामंत्री, सन्नी कपूर कोषाध्यक्ष, तथा अजीज दर्द, अरूण शर्मा, मनोहर लाल गुप्ता, सुचित्र जैन, विनोद पानेरी कार्यकारणी सदस्य निर्वाचित हुए। अध्यक्ष श्री राजीव अरोडा ने सभी को बधाई दी तथा सभी सद्भावना के सिपाही संगठन के सदस्यो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जिस प्रकार से समाज में साम्प्रदायिकता का विष किन्ही लोगो द्वारा अपने राजनैतिक स्वार्था की पूर्ति के लिए घोला जा रहा है ऐसे समय में सद्भावना के सिपाही संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण हैं तथा सद्भावना के सिपाही संगठन के कार्यकताओं को साम्प्रदायिक सौहाद्य के कार्य करने के लिए हमैषा तैयार एंव तत्पर रहना चाहिए ।

बमनपुरा सेवर रेल्वे अंडरपास का किया शिलान्यास

- गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम रहे मुख्य अतिथि

चमकता राजस्थान /भरतपुर (राजवीर सिंह)। बमनपुरा सेवर रेलवे अंडरपास के शिलान्यास के शुभ अवसर पर गृह राज्य मंत्री माननीय जवाहर सिंह बेडम के मुख्य आतिथ्य में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता नदबई विधायक माननीय कुँ जगत सिंह ने की विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद रंजीता कोली, जगत सिंह के सुपुत्र कुँ हुनूत सिंह,सतीश बंसल भाजपा जिला उपाध्यक्ष, नदवई उप प्रधान भूपेंद्र फौजदार, नदबई नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि दिलीप सिंह,जगदीश अजान,रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना जिला मंत्री दुर्गेश बूटोलिया ने रखी। कार्यक्रम के आयोजक किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष गौरव सरपंच लुधावई ने हर्ष जताते हुए बताया कि अंडरपास के लिए 6 करोड रुपए की राशि स्वीकृत हुई है जिसमें पूर्व सांसद श्रीमती रंजीता कोली का आभार जताया। सरपंच ने क्षेत्र में पानी बिजली पुलिस एवं वेशयावृत्ति आदि जैसी समस्याओं को गृह राज्य मंत्री व विधायक कुँ जगत सिंह के समक्ष रखी। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन देकर समस्त सरदारी को जल्द से जल्द इस परेशानी से निजात दिलाने के लिए भरोसा दिया। रंजीता कोली ने अपने पूर्व कार्यकाल में किए गए कामों को और वादों को भी पटल पर रखा मोके पर आये अतिथियों का युवा मोर्चा संयोजक जगत गुर्जर आकाश हथेनी किसान मोर्चा महामंत्री,हमवीर सिंह,अनुराग तमरोली, महामंत्री राम कुंवर चुरारी, उपाध्यक्ष जगमोहन कटरा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र नाथू नगला, लाल सिंह मास्टर जयचौली, यादराम राणा,डॉ धर्मेंद्र सिंह अन्नु हलैना, नरेश अटारी, धीरज पांडे उधम सिंह,आदि किसान मोर्चा जिला भरतपुर ने 31 किलो की माला दुपट्टा पहना कर कुं जगत सिंह जवाहर सिंह डेढ़म,तथा पुत्र् सांसद रंजीता कोली व मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया।गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने प्रेस वार्ता को बताते हुए कहा कि आज किसान दिवस के अवसर पर भरतपुर के लाल हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को आने वाले दिनों में बड़ी शौकत देने की बात कही किसानों को किसान दिवस की बधाई दी व भाजपा सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियां की विस्तार से जानकारी थी ।

सुशासन सप्ताह के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को हुआ कार्यशाला का आयोजन

- पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने सुशासन पर दिया संबोधन

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 23 दिसम्बर। सुशासन सप्ताह के तहत सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला को सेवानिवृत आईएएस राजेश्वर सिंह, पूर्व आईएफएस दीपनारायण पाण्डेय और शिक्षाविद प्रोफेसर विद्या जैन ने कार्यशाला को संबोधित किया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में रास्ता खोलो अभियान, नशा मुक्त जयपुर अभियान, सक्षम जयपुर अभियान एवं ज्ञानधरा अभियान सहित जयपुर जिला प्रशासन द्वारा सुशासन की दिशा में संचालित नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्रदानकीगईकार्यशाला

में सुशासन सप्ताह के तहत समस्त विभागों के जिला स्तरीय कार्यालयों द्वारा तैयार जिला– जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू का विजन डॉक्यूमेंट-2047 का विमोचन किया गया। इस दौरान जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा तैयार की गई 'सुशासन की दिशा में जयपुर जिला प्रशासन के प्रयास' वीडियो फिल्म का प्रसारण किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सुशासन के जरिये समाज के अंतिम तबके तक सरकार कीजनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुंचाने की की जरूरत पर बल दिया। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बताया कि सुशासन सप्ताह के दौरान जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। प्रशासन गांवों की ओर अभियान, सुशासन सप्ताह शिविर, रन फॉर विकसित राजस्थान कार्यक्रम, आदि के बारे में भी बताया गया। युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास एवं उद्यमिता कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।कार्यशाला में अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।

लाडो को मिली साईकिलें

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर /अजमेर। नसीराबाद उपखण्ड की ग्राम पंचायत झड़वासा की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को साईकिलें वितरण की गई। प्रभारी रामदेव खाती नें बताया की झड़वासा विद्यालय के कक्षा 9 वीं की 26 छात्राओं को राज्य सरकार द्वारा साईकिलें वितरण की गई जिससे छात्राओं के चेहरे पर खुशी देखी गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य कौशल्या यादव सरपंच भंवर सिंह गौड, एसएमसी व एसडीएमसी से देवकरण गुर्जर, तेजमल जाट, मांगीलाल जाट, शिवराज जाट, कालू भामसर, हरिराम कसाना व नारायण फारक उपस्थित थे

प्रदेश में जिला कांग्रेस का डॉ भीम राव अम्बेडकर सम्मान मार्च आज

- जिला कलेक्टर को देगे ज्ञापन

चमकता राजस्थान। जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार मंगलवार 24 दिसम्बर, को सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान मार्च अयोजित किये जायेंगे। मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर आपत्तिजनक एवं असम्मानजनक टिप्पणी की गई इसके विरोध में केन्द्रीय गृह मंत्रिअमित शाह के इस्तीफे की मांग को मजबूती से उठाने हेतु प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार 24 दिसम्बर, को जिला मुख्यालयों पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान मार्च का आयोजन किय जायेगा। साथ ही प्रदेश की सभी जिला कांग्रेस केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पद से बर्खास्त करने एवं देश से माफी मांगने की मांग का ज्ञापन महामहिम-राष्ट्रपति महोदया के नाम संबंधित जिला कलेक्टर को सौंपा जायेगा।

एक लोडेड पिस्टल, दो खाली मैगजीन एवं डस्टर कार सहित तीन गिरफ्तार

हनुमानगढ़ जिले में पीलीबंगा थाना क्षेत्र में फायरिंग कर भागे बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़

फायरिंग के बाद ए श्रेणी की कराई गई नाकाबंदी, गोलूवाला थाना पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर, फायरिंग भी की

चमकता राजस्थान

जयपुर/हनुमानगढ़, (खलील कुरैशी) 23 दिसंबर। जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में रविवार को रावतसर फाटक के पास फायरिंग कर भागे तीन बदमाशों को ए श्रेणी की नाकाबंदी कर गोलूवाला थाना पुलिस की टीम ने मुठभेड़ के बाद अवैध हथियार एवं डस्टर गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से पुलिस ने एक लोडेड अवैध पिस्टल एवं दो खाली मैगजीन ज़ब्त की है। तीनों बदमाशों के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज है।एसपी अरशद अली ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश राजेन्द्र कुमार उर्फ राजू उर्फ हिटलर बेनीवाल पुत्र शिवप्रकाश बेनीवाल (32) निवासी वार्ड नम्बर 01 गोलूवाला सिहागान के विरूद्ध थाना गोलूवाला पर पूर्व मे मारपीट एवं आर्म्स के दो प्रकरण, विकास विश्नोई पुत्र दलीप कुमार (25) निवासी वार्ड नम्बर 21 मण्डी पीलीबंगा के विरूद्ध थाना पीलीबंगा पर पूर्व मे मारपीट का एक प्रकरण एवं पवन कुमार भाट पुत्र सुभाष भाट (25) निवासी वार्ड नम्बर 25 मण्डी पीलींबगा के विरूद्ध पंजाब व हरियाणा मे एनडीपीएस के कुल 3 प्रकरण दर्ज है। थाना रानियां जिला सिरसा हरियाणा मे दर्ज प्रकरण मे वाछित है।

एसपी अली ने बताया कि रविवार को एसएचओ पीलीबंगा ने उन्हें सूचना दी कि पीलीबंगा मण्डी मेन रोड़ रावतसर फाटक के पास एक डस्टर गाडी में सवार दो-तीन लड़के फायर करके लोंगवाला,

अयालकी रोड़ की तरफ आ रहे है, जिनका हम पीछा कर रहे है। इस पर उन्होंने तुरंत एसएचओ गोलुवाला को अयालकी के पास ''ए'' श्रेणी हथियारबंद नाकाबंदी के आदेश दिये। एसएचओ लाल बहादुर चन्द्र व उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर हथियारबंद नाकाबन्दी करवाई गई। अयालकी के पास हेड कांस्टेबल सुनील कुमार मय टीम के नाकाबंदी कर रहे थे। पीलीबंगा की तरफ से आ रही उक्त डस्टर गाडी को रूकवाने का प्रयास किया तो उसमें सवार बदमाश नाकाबंदी तोडकर गोलूवाला की तरफ तेज गति से गाडी भगा ले जाने लगे। नाकाबंदी प्रभारी मय टीम ने बदमाशों का पीछा किया, इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की और पुलिस गाडी को टक्कर मार क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने हिम्मत का परिचय देते हुए लगातार बदमाशों का पीछा जारी रखा व सरकारी वेपन से फायर कर कार सवार बदमाशों को काबू किया। फायरिंग के दौरान कोई जनहानि नही हुई मगर गाडी की टक्कर से पुलिस कर्मियों के मामूली चोटे आई। डस्टर सवार तीनों बदमाशों राजेन्द्र कुमार उर्फ राजू उर्फ हिटलर, विकास विश्नोई पवन कुमार को काबू कर डस्टर गाडी से एक अवैध पिस्टल लोडेड व दो खाली मेग्जीन बरामद किये गये।एसएचओ लाल बहादुर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में थाना गोलूवाला से हेड कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल संदीप कुमार व कांस्टेबल चालक हरविंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही। टीम में एएसआई विजेन्द्र कुमार, कांस्टेबल भागचंद भी शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929